जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:28 अंक: 314 दिनांक:20-03-2024 बुधवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

दिल्ली में कांग्रेस हेडक्वॉर्टर में हुई मीटिंग में लोकसभा चुनाव 2024 के लिए चुनावी घोषणापत्र (मेनिफेस्टो) पर चर्चा हुई। बैठक में मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी भी मौजूद रहे। बैठक के बाद खरगे ने कहा कि कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में हमने कांग्रेस घोषणापत्र पर गहन विचार-विमर्श किया।

प्रवर्तन निदेशालय के नोटिस के खिलाफ दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। केजरीवाल ने ईडी के सभी समन को गैरकानूनी बताया है। दिल्ली सरकार आज विधानसभा में अपना बजट पेश करेगी।

कांग्रेस के घोषणापत्र में 5 'न्याय' और 25 'गारंटी' पर रहेगा फोकस

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस का चुनावी घोषणापत्र पार्टी के पांच 'न्याय और 25 'गारंटी की घोषणा पर आधारित होगा। पार्टी का कहना है कि यह दस्तावेज उसके लिए 'न्याय पत्र है जिसे वह 'घर-घर गारंटी के मंत्र के साथ देश के हर मतदाता तक पहुंचाने का प्रयास करेगी। कांग्रेस कार्य समिति ने इस घोषणापत्र के मसौदे पर साढ़े तीन घंटे की चर्चा के बाद पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को इसे मंजूर करने और जारी करने की तिथि निर्धारित करने के लिए अधिकृत किया।

कांग्रेस घोषणापत्र में जिन पांच 'न्याय और 25 'गारंटी का प्रमुख रूप से उल्लेख होगा उनकी घोषणा 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान की गई।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स पर पोस्ट किया, ''आज कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में हमारे 5 न्याय और 25 गारंटियों समेत पार्टी के घोषणापत्र पर गहन चर्चा हुई।' भारत जोड़ो यात्रा और 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा के माध्यम से हम लगातार गांव-गांव, गली-गली लोगों के बीच गए और 'देश की आवाज़ सुनी। हमने लोगों के साथ हो रहे अन्याय और उनके जीवन के संघर्षों को करीब से जाना और समझा।

उन्होंने कहा, ''इसीलिए हमारा घोषणा पत्र और गारंटी महज दस्तावेज नहीं, करोड़ों देशवासियों के साथ हुए संवाद से निकला रोडमैप है, जो रोजगार क्रांति और अधिकारपूर्ण भागीदारी के माध्यम से हर वर्ग का जीवन बदलने जा रहा है।

राहुल गांधी का कहना है, ''हम 5 न्याय का संकल्प लेकर किसानों, युवाओं, श्रमिकों, महिलाओं और वंचितों के बीच जाएंगे और सीधे तौर पर लोगों के जीवन से जुड़े वास्तविक मुद्दों पर चुनाव लड़ेंगे। कांग्रेस की गारंटियां देशवासियों के जीवन में खुशहाली लाने का संकल्प हैं।

कांग्रेस के अनुसार, उसका घोषणापत्र पार्टी के पांच न्याय – 'हिस्सेदारी न्याय, 'किसान न्याय, 'नारी न्याय, 'श्रमिक न्याय और 'युवा न्याय- पर आधारित होगा। पार्टी ने 'युवा न्याय के तहत जिन पांच गारंटी की बात की है उनमें 30 लाख सरकारी नौकरियां देने और युवाओं को एक साल के लिए प्रशिक्षुता कार्यक्रम के तहत एक लाख रुपये देने का वादा शामिल है।

पार्टी ने 'हिस्सेदारी न्याय के तहत जाति जनगणना कराने और आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीमा खत्म करने की 'गारंटी दी है। उसने 'किसान न्याय के तहत न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी दर्जा, कर्ज माफी आयोग के गठन तथा जीएसटी मुक्त खेती का वादा किया है। कांग्रेस ने 'श्रमिक न्याय के तहत मजदूरों को स्वास्थ्य का अधिकार देने, न्यूनतम मजूदरी 400 रुपये प्रतिदिन सुनिश्चित करने और शहरी रोजगार गारंटी का वादा किया है। वहीं 'नारी न्याय के अंतर्गत 'महालक्ष्मी गारंटी के तहत गरीब परिवारों की महिलाओं को एक-एक लाख रुपये प्रति वर्ष देने समेत कई वादे किए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को दी समय सीमा

नई दिल्ली (ईएमएस)। नागरिकता संशोधन अधिनियम 2019 के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दायर की गईं 200 से ज्यादा याचिकाओं पर मंगलवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने आदेश दिया कि जवाब दाखिल करने के लिए सरकार ने चार हफ्ते का समय मांगा है। लेकिन कोर्ट उन्हें तीन हफ्ते का मोहलत देती है। सुनवाई को दौरान वकील कपिल सिब्बल ने किसी को भी नागरिकता ना देने का गुहार लगाई। सिब्बल ने कहा कि कोर्ट ने 19 अप्रैल को अगली सुनवाई की तारीख तय की है। इस बीच अगर नागरिकता दी जाती है तो हम दोबारा कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। बता दें कि सीएए के खिलाफ याचिकाओं पर सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई चल रही है। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ दायर 237 याचिकाओं पर सुनवाई हुई। इन याचिकाओं में से 20 में कानून पर रोक लगाने की मांग की गई है। केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल ने जवाब दाखिल करने के लिए 4 हफ्ते का समय मांगा। कोर्ट ने उन्हें 3 हफ्ते का समय दिया है।

सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि यह एक्ट किसी की भी सिटिजनशिप नहीं छीन रहा है। 2014 से पहले देश में आए लोगों को ही नागरिकता दी जा रही है। उसके बाद आए किसी नए शरणार्थी को नहीं। याचिकाकर्ताओं के वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि केंद्र के जवाब देने तक नई नागरिकता नहीं दी जाए। ऐसा कुछ होता है तो हम फिर कोर्ट आएंगे।

इस पर सीजेआई की बेंच ने कहा कि हम यही हैं। केंद्र सरकार को स्टे पर जवाब देने के लिए 2 अप्रैल तक का समय दिया जाता है। उस पर 8 अप्रैल तक एफिडेविट फाइल कर सकते हैं। इस तरह हम 9 अप्रैल को सुनवाई से पहले जरूरी बातों को सुन लेंगे। असम और त्रिपुरा से जुड़ी याचिकाओं में अलग नोट दिया जाए। केंद्र ने सीएए लागू होने का नोटिफिकेशन 11 मार्च को जारी किया था। इससे पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए शरणार्थियों को नागरिकता मिलेगी। इसके खिलाफ इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग, असम कांग्रेस नेता देबब्रत सैकिया, असम जातीयतावादी युवा छात्र परिषद, डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया और सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया ने याचिका लगाई है।

रुस पर अमेरिकी प्रतिबंध....अमेरिका से तेल खरीदने को मजबूर हुई तेल कंपनियां

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय तेल कंपनियां लगभग एक साल में अमेरिका से सबसे ज्यादा कच्चा तेल खरीदने की तैयारी में है। अमेरिकी प्रतिबंधों को सख्ती से लागू होने से रूस के साथ व्यापार प्रभावित हुआ और तेल कंपनियों को सप्लाई के लिए अन्य विकल्प तलाशने पड़ रहे है। रिपोर्ट में कहा गया कि सरकारी तेल कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (बीपीसीएल) और इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओएल) ने टॉप प्राइवेट रिफाइनर रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के साथ मिलकर इस महीने अब तक अप्रैल में लोड होने वाले अमेरिकी कच्चे तेल की लगभग 7 मिलियन बैरल खरीदी है। मई के बाद से यह सबसे बड़ी मासिक मात्रा होगी।

यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के बाद से भारत में रूसी कच्च तेल का आयात बढ़ गया और ओपेक+निर्माता अभी भी देश के सबसे बड़े सप्लायर हैं, लेकिन अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण माल फंस गया है और छूट कम हो गई है। भारत ने हाल ही में सऊदी अरब से भी खरीदारी बढ़ा दी है।

रिपोर्ट में व्यापारियों के हवाले से कहा गया कि इस महीने अधिकांश अमेरिकी कच्चा तेल वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट मिडलैंड से खरीदा गया और इसकी डिलिवरी लागत मिडिल ईस्ट के बैरल से ज्यादा है। प्रतिंबंधों के कारण रूस का सोकोल ऑयल जिसकी तुलना वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट मिडलैंड से की जाती है, सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। तेल रिफाइनरी कंपनियों के अधिकारियों ने बताया कि वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट मिडलैंड से लाए जाने वाले कच्चे तेल से ज्यादा पेट्रोल और डीजल का उत्पादन किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आने वाले महीनों में लोकसभा चुनावों के कारण लोगों की आवाजाही, बढ़ती बिजली उत्पादन और फसल की कटाई के कारण ईंधन की ज्यादा खपत होने की उम्मीद है।

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर मुठभेड़...माओवादियों के कोर इलाके में घुसे सी-60 कमांडोज

36 लाख रुपए के इनामी 4 नक्सली ढेर

बस्तर/राजनांदगाव (ईएमएस)। छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र राज्य की सीमा पर गढ़चिरौली में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। मुठभेड़ में ष्ट-60 कमांडोज ने 36 लाख रुपए के 4 हार्डकोर नक्सलियों को मार गिराया है। बताया जा रहा है कि इनके शवों को भी बरामद कर लिया गया है। फिलहाल जवान मौके पर ही मौजूद हैं। मारे गए चारों नक्सली तेलंगाना स्टेट कमेटी के हैं। वहीं, दंतेवाड़ा-बीजापुर जिले की सीमा पर भी मुठभेड़ में एक नक्सली ढेर हुआ है।

यह मुठभेड़ कोलामारका के जंगल में हुई। निरीक्षक शिव पाटिल ने घटना की पुष्टि की है। फिलहाल, मौके पर पुलिस की टीम मौजूद है। जहां पर नक्सलियों द्वारा इस्तेमाल किए गए लान्चर और बंदूकें भी बरामद हुई हैं। सर्चिंग के दौरान फोर्स ने मौके से 1एके-47, 1 कार्बाइन, 2 देसी पिस्टल, विस्फोटक समेत नक्सली साहित्य बरामद किया है। एसपी गढ़चिरौली नीलोत्पल ने जानकारी देते हुए बताया कि गढ़चिरौली के कोलामरका पहाड़ों के पास सी60 और सीआरपीएफ क्यूएटी की कई टीमों के संयुक्त अभियान में चार नक्सलियों के शव बरामद किए गए।

करीब एक घंटे तक चली मुठभेड़

रेपनपल्ली से 5 किलोमीटर दूर कोलामारका के पहाड़ों पर सर्चिंग के दौरान आज मंगलवार सुबह सी-60 कमांडोज की टीम पर नक्सलियों ने गोलीबारी की। जवानों ने भी मोर्चा संभाला और नक्सलियों की गोलियों का मुंहतोड़ जवाब दिया। करीब 50 से 60 मिनट तक मुठभेड़ चली। गोलीबारी रुकने के बाद जवानों ने इलाके की सर्चिंग की। जिसमें 4 पुरुष नक्सलियों के शवों को बरामद किया गया है।

लोकसभा चुनाव से पहले विज्ञापनों पर खर्च करने में भाजपा अव्वल

- गूगल को उत्तर प्रदेश से सबसे अधिक राजनीतिक विज्ञापन मिले

-मार्च तक विज्ञापन खर्च 100 करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होते ही राजनीतिक दल प्रचार प्रसार में जुट गए हैं। राजनितिक दल सबसे ज्यादा सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर रहे हैं। राजनीतिक दलों का पिछले कुछ महीनों में विज्ञापन पर खर्च बढ़ा दिया है।

गूगल के आंकड़ों के अनुसार जनवरी के बाद से अब तक भाजपा ने सबसे अधिक विज्ञापन दिए। आंकड़ों के मुताबिक पार्टी ने गूगल पर विज्ञापन पर 30.9 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। ये आंकड़े 17 मार्च तक के हैं। कांग्रेस ने केवल 18.8 लाख रुपये ही खर्चे हैं। कुल धनराशि का 86.4 फीसदी वीडियो विज्ञापन पर खर्च किए हैं। शेष 13.6 प्रतिशत धनराशि तस्वीर फार्मेट में विज्ञापन पर खर्च की गई। गूगल को उत्तर प्रदेश से सबसे अधिक राजनीतिक विज्ञापन मिले हैं। इसके बाद ओडिशा, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और गुजरात का नंबर है। कुल विज्ञापन खर्च का 40 फीसदी शीर्ष पांच राज्यों से आया है।

गूगल ऐसे विज्ञापनों को चुनावी विज्ञापन के तौर पर चिह्नित करती है, जो राजनीति दल या उम्मीदवार के द्वारा लोकसभा या विधानसभा में चलाए जाते हैं। मार्च तक खर्च लगभग 100 करोड़ रुपये पहुंच गया है। तीन महीनों के दौरान गूगल पर राजनीतिक विज्ञापनों का औसत खर्च वर्ष 2019 के बाद से सबसे अधिक रहा है। यह धनराशि पिछले साल के मुकाबले नौ गुना अधिक है। ये वे विज्ञापन हैं, जिन्हें राजनीतिक लेबल के साथ चलाया जाता है और ये डिजिटल माध्यम से मतदाताओं तक पहुंच बनाने के संपूर्ण परिदृश्य से अलग हैं, लेकिन इनसे व्यापक रुझानों का पता चल सकता है।

वॉशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी के ट्रेविस एन रिडाउट की अगस्त 2020 में राजनीतिक विज्ञापन ऑनलाइन और ऑफलाइन शीर्षक से तैयार रिपोर्ट में कहा गया है कि डिजिटल माध्यम से विज्ञापन का असर ज्यादा होता है और चुनाव लड रहे उम्मीदवार के लिए अपने लक्ष्य तक पहुंचने में टीवी जैसे अन्य पारंपरिक मीडिया की अपेक्षा अधिक सुगम है। रिपोर्ट में लिखा है, ऑनलाइन विज्ञापन पर कम लागत और अच्छे ढंग से लोगों तक अपनी बात पहुंचाई जा सकती है, ताकि टीवी के मुकाबले अधिक दर्शकों तक उनका संदेश आसानी से पहुंच सके।

पशुपति पारस का मोदी कैबिनेट से इस्तीफा

पटना (ईएमएस)। रालोजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पशुपति पारस ने केंद्रीय मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि एनडीए में मेरे साथ नाइंसाफी हुई। अब मैं तय करूंगा कि कहां जाना है। मंगलवार को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने ये ऐलान किया। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के अध्यक्ष पशुपति कुमार पारस ने कहा, 5-6 दिन पहले मैंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि मैं तब तक इंतजार करूंगा जब तक एनडीए सीटों की घोषणा नहीं करती। मैंने बहुत ईमानदारी से एनडीए की सेवा की। पीएम नरेंद्र मोदी देश के बड़े नेता हैं, लेकिन हमारी पार्टी और व्यक्तिगत रूप से हमारे साथ नाइंसाफी हुई। इसलिए मैं केंद्रीय मंत्री पद से इस्तीफा देता हूं।

कैंसर की नकली दवाओं का उत्पादन और ब्रिकी मामले में ईडी की छापेमारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कैंसर की नकली दवाओं का उत्पादन और बिक्री करने वाले गिरोह से जुड़े धनशोधन मामले की जांच में दिल्ली-एनसीआर में कई स्थानों पर छापेमारी की। संघीय एजेंसी ने कुल 10 स्थानों पर छापे मारे और दो स्थानों से लगभग 65 लाख रुपये नकद बरामद किए।

दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने कैंसर और कीमोथैरेपी दवाओं के उत्पादन और उनकी दिल्ली-एनसीआर के कुछ अस्पतालों में बिक्री में कथित रूप से शामिल एक संगठित आपराधिक गिरोह की जांच के लिए मामला दर्ज किया है। ईडी ने इसी मामले का संज्ञान लेकर धनशोधन का मामला दर्ज किया।

छापेमारी के दौरान विफिल जैन, सूरज शत, नीरज चौहान, परवेज मलिक, कोमल तिवारी, अभिनय और तुषार चौहान सहित मुख्य संदिग्धों और उनके सहयोगियों के परिसरों पर छापे मारे गए। सूत्रों ने बताया कि कुल नकदी में से 23 लाख रुपये एक आरोपी के घर में रखे एक 'बीन बैग से बरामद किए गए।

कृष्ण जन्मभूमि विवाद...15 मुकदमे एक साथ सुने जाएंगे

सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज की; कहा- यह विषय हाईकोर्ट में ही रखें

मथुरा(ईएमएस)। मथुरा श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को मस्जिद कमेटी की याचिका खारिज कर दी। मस्जिद कमेटी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें हाईकोर्ट ने इस विवाद से जुड़े 15 मुकदमों को एक साथ जोडक़र सुनवाई करने का फैसला लिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- यह विषय हाईकोर्ट में ही रखें।

23 मई 2023 को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा था कि ये सभी मुकदमे एक ही तरह के हैं, जिनमें एक ही तरह के सबूतों के आधार पर फैसला होना है। लिहाजा, कोर्ट का समय बचाने के लिए ये बेहतर होगा कि इन मुकदमों पर एक साथ सुनवाई हो। इस आदेश के खिलाफ मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दाखिल की थी। इसमें मांग की थी कि सभी मुकदमों को अलग-अलग सुना जाए। हिंदू पक्षकार महेंद्र प्रताप सिंह का कहना है कि मुस्लिम पक्ष चाहता था कि मामले की सुनवाई अलग-अलग हो। मगर सुप्रीम कोर्ट ने उनकी एसएलपी खारिज कर दी। वो चाहते हैं कि यह मामला लटका रहे।

हेमंत सोरेन की भाभी सीता भाजपा में शामिल

रांची (ईएमएस)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की भाभी और विधायक सीता सोरेन ने मंगलवार को भाजपा का दामन थाम लिया है। दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में विनोद तावड़े ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। मौके पर सीता सोरेन ने कहा कि झारखंड के महान सोरेन परिवार को छोडक़र मोदी जी के विशाल परिवार में शामिल हो रही हूं। मोदी जी पर लोगों के विश्वास को देखते हुए इस परिवार में शामिल हो रही हूं। मैंने भी झारखंड में कई संघर्ष किया। 14 साल जेएमएम में रहीं। मेरे ससुर और दिवंगत पति की अगुआई में झारखंड अलग राज्य बना। उनका सपना राज्य के विकास का था, लेकिन ये अधूरा रह गया।

एनसीपी-शरदचंद्र पवार नाम से लोकसभा चुनाव लड़ेगा शरद गुट

सुप्रीम कोर्ट ने चिह्न ट्रम्पेट को भी मान्यता दी

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को शरद गुट को लोकसभा चुनाव 2024 में एनसीपी शरदचंद्र पवार नाम से ही लोकसभा चुनाव लडऩे की परमिशन दे दी है। साथ ही उसके चुनाव चिह्न ट्रम्पेट को भी मान्यता दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को भी निर्देश दिया कि वह लोकसभा-विधानसभा चुनावों के लिए दूसरों को तुरही चुनाव चिन्ह न दे।

कोर्ट ने अजित पवार गुट को यह पब्लिक नोटिस जारी करने को कहा कि एनसीपी का घड़ी चुनाव चिह्न कोर्ट में विचाराधीन है। इसलिए चुनावी विज्ञापनों के इस्तेमाल में भी इसका जिक्र होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट शरद गुट की याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें कहा गया था कि अजित गुट अपने फायदे के लिए शरद का नाम और फोटो इस्तेमाल कर रहा है।

टैक्सी ड्राइवरों को मिलेगा 1475 करोड़ का मुआवजा

सिडनी (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया में उबर की गाड़ी चलाने वाले ड्राइवरों को,उबर कंपनी को 1475 करोड रुपए का भुगतान मुआवजा के रूप में करना होगा। 8000 टैक्सी मालिकों और ड्राइवरों की ओर से मुआवजे के लिए कोर्ट का सहारा लिया था। कोर्ट में उबर कंपनी ने समझौते के रूप में 1475 करोड रुपए मुआवजा देना स्वीकार कर लिया है। ऑस्ट्रेलिया में उबर कंपनी से अनुबंधित गाड़ियों के ड्राइवरों को इस समझौते से बड़ा फायदा हुआ है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का केंद्र पर हमला, कहा

मोदी की गारंटी का हश्र इंडिया शाइनिंग नारे जैसा होगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को कहा कि देश बदलाव चाहता है तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की गारंटी का वही हश्र होने जा रहा है जो 2004 में इंडिया शाइनिंग (भारत उदय) नारे का हुआ था। उन्होंने कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में यह भी कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं को कांग्रेस के घोषणा पत्र को घर-घर तक ले जाना होगा। कार्य समिति की बैठक घोषणा पत्र को अंतिम रूप देने के लिए बुलाई गई थी।

देश बदलाव चाहता है

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि उनकी पार्टी इस लोकसभा चुनाव में जो वादे करने जा रही है, उन्हें वह पूरा करेगी। उन्होंने कहा, हम वादे करने के पहले गहराई से यह पड़ताल कर लेते हैं कि उनको पूरा कर पाएंगे या नहीं। खरगे ने कहा, देश बदलाव चाहता है। मौजूदा सरकार की गारंटी का वही हश्र होने जा रहा है जो 2004 में इंडिया शाइनिंग नारे का हुआ था। उन्होंने यह भी कहा कि इसीलिए कांग्रेस का घोषणापत्र 1926 से देश के राजनीतिक इतिहास में भरोसे का दस्तावेज बना हुआ है। कांग्रेस का घोषणा पत्र पार्टी के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम की अध्यक्षता वाली समिति ने तैयार किया है। खरगे के अनुसार, समिति ने प्रयास किया कि हमारा घोषणा पत्र सिर्फ अकादमिक कवायद न रहे, बल्कि उसमें व्यापक जन भागीदारी हो। इसके लिए संपर्क और संवाद किया गया। वेबसाइट आवाज भारत की के जरिये लोगों से सुझाव आमंत्रित किए गए थे।

सिपाही घिसटती चली गईं, पर नहीं छोड़ा बदमाश का स्कूटर

नई दिल्ली (ईएमएस)। नॉर्थ ईस्ट दिल्ली के भजनपुरा इलाके में एक महिला सिपाही पैदल जा रही थी ?कि तभी एक स्कूटर सवार बदमाश ने म?हिला के हाथ से हैंडबैग छीन लिया। सिविल ड्रेस में पैदल चल रही महिला पुलिसकर्मी ने तुरंत बैग वापस लेने की कोशिश की। बदमाश ने नीचे गिरा दिया, जिसके बाद पुलिसकर्मी ने स्कूटर पकड़ लिया। बदमाश ने स्कूटर दौड़ा दिया, जिससे वह घिसटती हुई चली गईं। महिला ने शोर मचाया तो पब्लिक की मदद से आरोपी को पकड़ लिया गया। आरोपी की पहचान मौजपुर के मोहनपुरी निवासी हयात उर्फ सलीम (40) के तौर पर हुई है। रितिका (23) दिल्ली पुलिस में सिपाही हैं, जिनकी तैनाती इन दिनों नॉर्थ ईस्ट जिले में हैं। वह गीता कॉलोनी में किराए पर रहती हैं। मूल रूप से मध्य प्रदेश के सीरोह जिले से हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि वह शनिवार शाम करीब 4:00 बजे यमुना विहार सी-12 रोड पर मस्जिद के सामने से पैदल जा रही थीं। इसी दौरान स्कूटर सवार बदमाश ने वारदात को अंजाम दिया। आरोपी से बैग बरामद हो गया है। पुलिस ने लूटपाट का मुकदमा दर्ज कर आरोपी बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी का स्कूटर भी जब्त कर लिया। पुलिस आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड खंगाल रही है।

तालिबान ने लिया बदला- पाकिस्तान की कई चौकियों को किया ध्वस्त

काबुल,(ईएमएस)। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनातनी कम नहीं हो रही है। हाल ही में पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर एयर स्ट्राइक कर उसे काफी नुकसान पहुंचाया था। इसके बदले तालिबान ने पाकिस्तान पर हवाई हमले किए और कई चौकियों को ध्वस्त कर दिया। तालिबान की सेनाओं ने पाकिस्तान की सैन्य चौकियों को निशाना बनाया और जमकर बमबारी और गोलीबारी की। बताया जा रहा है कि पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा डूरंड लाइन के साथ बुर्की में तालिबान के सैनिकों ने गोलीबारी और बमबारी की। इस दौरान कम से कम तीन पाकिस्तानी सैनिक घायल हो गए। वहीं पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सेनाओं के बीच में सीमा पर भी खूनी झड़प हुई। तालिबान के नेतृत्व वाले रक्षा मंत्रालय का कहना है कि पाकिस्तान के हमले के जवाब में तालिबान के सीमा बलों ने भारी हथियारों पाकिस्तान की चौकियों को निशाना बनाया। मंत्रालय ने ये भी कहा कि अफगानिस्तान की रक्षा के लिए सुरक्षा बल किसी भी आक्रामक कार्रवाई का जवाब देने के लिए तैयार हैं और हर परिस्थिति में क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करेंगे।

पाकिस्तान में हाल के आतंकवादी हमलों को लेकर दोनों देशों के बीच बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। पाकिस्तान का आरोप है कि हमले अफगानिस्तान की सरजमीं से किए गए थे. जबकि तालिबान ने पाकिस्तान के इस दावे को गलत बताया है। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक अफगान क्षेत्र में पाकिस्तान द्वारा किए गए हवाई हमलों में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) का कमांडर अब्दुल्ला शाह मारा गया। हालांकि कमांडर ने बाद में एक वीडियो जारी कर दावा किया कि वह दक्षिण वजीरिस्तान में है। तालिबान के नेतृत्व वाले रक्षा मंत्रालय के मुताबिक पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों ने एक बार फिर अफगान क्षेत्र में प्रवेश किया और पक्तिका प्रांत के बरमेल जिले और खोस्त प्रांत के सेपेरा जिले में नागरिकों के घरों पर बमबारी की। जिसमें महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई। इनमें पांच महिलाएं और तीन बच्चे शामिल हैं। पाकिस्तान के हवाई हमलों के बाद तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने पाक को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान की संप्रभुता पर किसी भी तरह के उल्लंघन के गंभीर परिणाम होंगे। इसके साथ ही तालिबान ने पाकिस्तान की नवगठित सरकार से दोनों पड़ोसी देशों के बीच संबंधों को खतरे में डालने के लिए गैर-जिम्मेदाराना कार्यों की अनुमति नहीं देने का भी आग्रह किया।

पाक के बलूचिस्तान में आया 5.4 की तीव्रता का भूकंप

किसी के हताहत होने की खबर नहीं

करांची (ईएमएस)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में मंगलवार को 5.4 की तीव्रता वाले भूकंप के झटके महसूस किए गए। हालांकि भूकंप के झटके इतने तेज नहीं थे, कई लोगों को इसका पता भी नहीं चला। हालांकि, किसी के हताहत होने की कोई खबर सामने नहीं आई है।

जानकारी के अनुसार भूकंप का केंद्र क्वेटा के 150 किलोमीटर उत्तर पश्चिम में 35 किलोमीटर की गहराई में था। भूकंप के झटके राजधानी क्वेटा, नोशकी, चागी, चमन, किला अब्दुल्ला, दलबदीन, पिशिन और प्रांत के कुछ अन्य इलाकों में महसूस किए गए। पाकिस्तान मौसम विभाग ने कहा कि भूकंप के झटके पाकिस्तान-ईरान सीमावर्ती इलाकों में भी महसूस किए गए।

पहले भी आ चुका है भूकंप

पाक के बलूचिस्तान प्रांत में पहले भी कई शक्तिशाली भूकंप आ चुके हैं, जिसमें लोगों की जान जा चुकी है। बलूचिस्तान के हरनाई क्षेत्र में अक्टूबर 2021 में आए भूकंप में 40 लोगों की मौत हुई थी और 300 घायल हुए थे। सितंबर 2013 में कई इलाकों में 7.8 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसमें 348 लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना के दो दिन बाद 6.8 तीव्रता का एक और शक्तिशाली भूकंप अवारान जिले और कई इलाकों में आया था, जिसमें सात लोग मारे गए थे और कई घायल हो गए थे।

विरोधियों को पस्त करने दक्षिण का किला फतह करने खुद फ्रंटफुट पर खेल रहे पीएम मोदी

पिछले कुछ माह से लगातार रैली और रोड शो कर रहे

नई दिल्ली (ईएमएस)। भाजपा लोकसभा चुनाव में बार-बार एनडीए गठबंधन को 400 से ज्यादा सीटें मिलने का नारा दे रही है, जबकि भाजपा ने अपने बूत 370 सीटों पर काबिज होने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए भाजपा दक्षिण भारत के 5 राज्यों केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना की 129 सीटों पर अपना स्ट्राइक रेट बढ़ने में जुटी हुई है। हालांकि वर्तमान में इन सीटों पर भाजपा की स्थिति संतोषजनक नहीं है, इसकारण पीएम नरेंद्र मोदी ने खुद मोर्चा संभालते हुए लगातार दक्षिण भारत में रैलियां और रोड शो कर रहे हैं। भाजपा ने अपनी पूरी ताकत इस बार दक्षिण भारत में झोंक दी है और पार्टी को इस बार उम्मीद है कि करीब पहले से ज्यादा सीटें उन्हें दक्षिण भारत से मिल ही जाएगी।

पीएम मोदी और भाजपा के लिए ये 129 सीटें इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि अगर उन्हें विपक्ष को पूरी तरह से परास्त करना है, तब दक्षिण का किला फतह करना होगा। यहां उल्लेखनीय हैं कि दक्षिण के दो राज्यों कर्नाटक और तेलंगाना में कांग्रेस ने विधानसभा चुनावों भारी बहुमत से जीत हासिल की है। लेकिन राजनीतिक पंडितों का यह भी मानना है कि बीते लोकसभा चुनावों में भाजपा उत्तर भारत में खासकर उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान जैसे राज्यों में बेहतर प्रदर्शन कर चुकी है और पिछली बार से ज्यादा सीटें बढ़ने की संभावनाएं इन राज्यों में कम होती दिख रही हैं। इसलिए प्रचंड जीत हासिल करने के लिए भाजपा का ज्यादा फोकस दक्षिण भारत पर है।

बीते चुनावों में कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में से सिर्फ दो राज्य हैं, जहां पिछले चुनाव भाजपा ने सीटें जीती थीं। इसमें भाजपा ने कर्नाटक में 25 और तेलंगाना में चार सीटें जीती थीं। बाकी तीन राज्यों में उसका खाता भी नहीं खुला था। इसके बावजूद दक्षिणी राज्यों की सबसे ज्यादा सीटें भाजपा के पास हैं। दक्षिण की शेष 100 सीटों पर भाजपा ने पिछले पांच सालों में काफी काम किया है, और भाजपा को इसमें में से कुछ सीटें जीतने की उम्मीद है।

भाजपा इस बार केरल, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में खाता खोलने की उम्मीद लगाए हुए है।

भाजपा दक्षिण के इन पांच राज्यों में कड़ी मशक्कत कर रही है। केरल में भाजपा को वोटिंग प्रतिशत भले ही बढ़ा हो लेकिन पिछले 3 लोकसभा चुनाव में एनडीए को एक भी सीट नहीं मिली है। तमिलनाडु में भाजपा अपनी सहयोगी पार्टी अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम या ए.आई.ए.डी.एम.के. से अलग होने के बाद अलग-थलग पड़ गई है। वहीं तेलंगाना में 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 4 सीटें जीती थीं, लेकिन विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की बड़ी जीत मिलने के बाद यहां भाजपा राहें आसान नजर नहीं आ रही हैं। कर्नाटक में भाजपा विधानसभा चुनाव में अपनी सत्ता खो चुकी है, और उसे दोबारा से 25 सीटों को यथावत बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है। आंध्र प्रदेश में भी भाजपा अपनी जमीन को मजबूत करने में लगी हुई है और तेलगु देशम पार्टी से गठ

जन हितैषी

चुनाव की अवधि क्यों बढ़ी शोध का विषय

इस बार के लोकसभा के चुनाव सात चरणों में पूरे होंगे। भारत में ऐसा क्यों होता है। चुनाव की तारीख, अवधि और चुनाव सुधारों को लेकर बातें तो बड़ी-बड़ी होती हैं, लेकिन सुधार नहीं होता है! वही ढाक के तीन पात की स्थिति बनी रहती है। हाल ही में चुनावी बांड को लेकर चुनाव आयोग और राजनीतिक दलों के बीच की कार्य प्रणाली उजागर हो रही है, उसको लेकर मतदाता से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक हैरान है। अमेरिका में राष्ट्रपति का चुनाव निश्चित अवधि में निश्चित दिन में होता है। 100 साल से ज्यादा का समय हो गया है। यह परंपरा अमेरिका में आज भी चली आ रही है। हर साल नवंबर माह के प्रथम मंगलवार को राष्ट्रपति पद की वोटिंग की तारीख निश्चित है। एक ही दिन में अमेरिका के चुनाव संपन्न हो जाते हैं। इस साल अमेरिका में परंपरा के अनुसार 5 नवंबर को मतदान होगा। 2014 के बाद से भारत में चुनाव की अवधि लगातार बढ़ती चली जा रही है। इसके पहले चार चरणों में लोकसभा चुनाव होते थे। जब देश के पास उतने संसाधन नहीं थे, तब लोकसभा का चुनाव कम समय में संपन्न हो जाता था। अब सभी संसाधनों के होते हुए भी सात चरण और 42 दिन में चुनाव होगा। चुनाव की अवधि बढ़ने से अब चुनाव प्रक्रिया को लेकर शोध की जरूरत महसूस होने लगी है। दुनिया के देशों में मत पत्र से चुनाव होते हैं। भारत में समय बचाने के लिए ईवीएम से चुनाव होते हैं। उसके बाद भी हनुमान जी की पूंछ की तरह चुनाव आयोग इच्छानुसार चुनाव की अवधि बढ़ाता चला जा रहा है।

निश्चित रूप से सत्तारूढ़ दल को लंबे समय तक चुनाव प्रचार करने का समय मिलता है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से हर चरण का चुनाव प्रचार देश के सभी मतदाताओं तक पहुंचता है। यह अलग बात है, गोदी मीडिया एक ही पार्टी के प्रचार को सबसे ज्यादा दिखाता है। यह भी एक कारण हो सकता है। सभी सात चरणों के मतदान तक टीवी चैनल में, लोकसभा के चुनाव प्रचार को देखा जा सकता है। 2019 में 10 मार्च को चुनाव की घोषणा हुई थी। वोटों की गिनती 23 मई को संपन्न हो गई थी। इस बार 16 मार्च को चुनाव की घोषणा हुई है। 4 जून को नतीजे सामने आएंगे। पिछली बार 26 मई को प्रधानमंत्री ने शपथ ली थी। अब 4 जून को जब नतीजे आएंगे। उसके बाद ही प्रधानमंत्री पद की शपथ होगी। भारत में ज्योतिष का बड़ा प्रभाव है। चुनाव आयोग ने भी शायद ज्योतिषाचार्य से पूछकर चुनाव की तारीखें तय की होंगी। प्रधानमंत्री का कार्यकाल इस हिसाब से 5 वर्ष से अधिक का होगा। इस लोकसभा चुनाव में 81 दिन तक आदर्श आचार संहिता लागू रहेगी। जो पिछले चुनाव की तुलना में 6 दिन अधिक है। मई-जून का महीना भारत में जानलेवा गर्मी वाला होता है। राजनीतिक दलों को चुनाव प्रचार करने में और मतदाताओं को मतदान करने में तकलीफ का सामना करना पड़ेगा। अमेरिका में 100 साल से राष्ट्रपति चुनाव की परंपरा का अक्षरशः पालन किया जा रहा है।

केंद्रीय चुनाव आयोग सारे संसाधन होने के बाद भी चार चरणों का चुनाव सात चरण में करा रहा है। ऐसी स्थिति में जब वन नेशन वन इलेक्शन की जिम्मेदारी चुनाव आयोग को पूरा करना होगी। तब क्या हाल होगा। यह आसानी से समझा जा सकता है। अब यह भी कहा जाने लगा है, चुनाव आयोग को सरकार के निर्देशन पर काम करना पड़ता है। सरकार के बनाये प्रोग्राम पर काम करना चुनाव आयोग की बाध्यता है। चुनाव आयोग संवैधानिक संस्था जरूर है, लेकिन अब वह सरकारी नियंत्रण से मुक्त नहीं है। यदि चुनाव आयोग स्वतंत्र होता, तो निश्चित रूप से पूर्व चुनाव आयुक्त टीएन सेशन के कार्यकाल की परंपरा को अपनाकर चुनाव कराता। ऐसी स्थिति में चुनाव आयोग की वैसी ही तूती बोलती, जैसे टीएन सेशन के समय पर बोलती थी। उस समय चुनाव आयोग से सरकारी अधिकारी सभी राजनेता डरते थे। चुनाव निष्पक्ष तरीके से होते थे। मतदाताओं का पूरा विश्वास चुनाव आयोग पर होता था। अभी तो चुनाव आयोग पत्रकार वार्ता में पत्रकार के सवाल को टालकर जबाब देने की स्थिति में नहीं है। टीएन सेशन ने निष्पक्ष चुनाव कराने में हमेशा निष्पक्ष होकर बिना डरे जो निर्णय लिए, उसकी आज भी देश और दुनिया में सराहना होती है। चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली से उसकी निष्पक्षता को लेकर मतदाताओं के विश्वास में कमी आ रही है। जो लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए ठीक नहीं है।

हमारी पर्यावरण दोस्त है चुलबुली गौरैया

(20 मार्च विश्व गौरैया दिवस पर विशेष)

हमारी सोच अब आहिस्ता-आहिस्ता बदलने लगी है। हम हम प्रकृति और जीव जंतुओं के प्रति थोड़ा मित्रवत भाव रखने लगे हैं। घर की टैरिश पर पक्षियों के लिए दाना-पानी डालने लगे हैं। गौरैया से हम फ्रेंडली हो चले हैं। किचन गार्डन और घर की बालकनी में कृतिम घोंसला लगाने लगे। गौरैया धीरे हमारे आसपास आने लगी है। उसकी चीं-चीं की आवाज हमारे घर आंगन में सुनाई पड़ने लगी है। गौरैया संरक्षण को लेकर ग्लोबल स्तर पर बदलाव आया है यह सुखद है। फिर भी अभी यह नाकाफी है। हमें प्रकृति से संतुलन बनाना चाहिए। हम प्रकृति और पशु -पक्षियों के साथ मिलकर एक सुंदर प्राकृतिक वातावरण तैयार कर सकते हैं। जिन पशु पक्षियों को हम अनुपयोगी समझते हैं वह हमारे लिए प्राकृतिक पर्यावरण को संरक्षित करने में अच्छी खासी भूमिका निभाते हैं, लेकिन हमें इसका ज्ञान नहीं होता।

गौरैया हमारी प्राकृतिक मित्र है और पर्यावरण में सहायक है। गौरैया प्राकृतिक सहचरी है। कभी वह नीम के पेड़ के नीचे फुदकती और चावल या अनाज के दाने को चुगती है। कभी घर की दीवार पर लगे आईने पर अपनी हमशक्ल पर चोंच मारती दिख जाती। एक वक्त था जब बबूल के पेड़ पर सैकड़ों की संख्या में घोंसले लटके होते थे,लेकिन वक्त के साथ गौरैया एक कहानी बन गई। हालांकि पर्यावरण के प्रति जागरूकता के चलते हाल के सालों में यह दिखाई देने लगी है। गौरैया इंसान की सच्ची दोस्त भी है और पर्यावरण संरक्षण में उसकी खासी भूमिका भी है। दुनिया भर में 20 मार्च गौरैया संरक्षण दिवस के रूप में मनाया जाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी गौरैया संरक्षण के लिए लोगों से पहल कर चुके हैं। उन्होंने राज्यसभा सदस्य बृजलाल के प्रयासों को ट्वीटर पर खूब सराहा था और कहा कि गौरैया संरक्षण को लेकर आपका प्रयास बेहतरीन और काबिले तारीफ है। राज्यसभा सदस्य बृजलाल ने अपने घर में गौरैया संरक्षण को लेकर काफी अच्छे उपाय किए हैं। उन्होंने गौरैया के लिए दाना पानी और घोंसले की व्यवस्था की है। जंगल में आजकल पंच सितारा संस्कृति विस्तार ले रही है। प्रकृति के सुंदर स्थान को भी इंसान कमाने का जरिया बना लिया है। जिसकी वजह पशु- पक्षियों के लिए खतरा बन गया है।

प्रसिद्ध पर्यावरणविद् मोहम्मद ई. दिलावर के प्रयासों से 20 मार्च को चुलबुली गौरैया के लिए रखा गया। 2010 में पहली बार यह दुनिया में मनाया गया। गौरैया का संरक्षण हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती है। इनसान की भोगवादी संस्कृति ने हमें प्रकृति और उसके साहचर्य से दूर कर दिया है। गौरैया एक घरेलू और पालतू पक्षी है। यह इंसान और उसकी बस्ती के पास अधिक रहना पसंद करती है। पूर्वी एशिया में यह बहुतायत पायी जाती है। यह अधिक वजनी नहीं होती। इसका जीवनकाल दो साल का होता है। यह पांच से छह अंडे देती है।

भारत की आंध्र यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन में गौरैया की आबादी में 60 फीसदी से अधिक की कमी बताई गई है। ब्रिटेन की रॉयल सोसाइटी आफ प्रोटेक्शन आफ बर्ड्स ने इस चुलबुले और चंचल पक्षी को रेड लिस्ट में डाल दिया है। दुनिया भर में ग्रामीण और शहरी इलाकों में गौरैया की आबादी घटी है। गौरैया की घटती आबादी के पीछे मानव विकास सबसे अधिक जिम्मेदार है। गौरैया पासेराडेई परिवार की सदस्य है लेकिन इसे वीवरपिंच परिवार का भी सदस्य माना जाता है। इसकी लंबाई 14 से 16 सेंटीमीटर होती है। इसका वजन 25 से 35 ग्राम तक होता है। यह अधिकांश झुंड में रहती है। यह अधिक दो मील की दूरी तय करती है। मानव जहां-जहां गया, गौरैया उसका हमसफर बनकर उसके साथ गयी।

गांवों में अब पक्के मकान बनाए जा रहे हैं। जिसका कारण है कि मकानों में गौरैया को अपना घोंसला बनाने के लिए सुरक्षित जगह नहीं मिल रही है। पहले गांवों में कच्चे मकान बनाए जाते थे। उसमें लकड़ी और दूसरी वस्तुओं का इस्तेमाल किया जाता था। कच्चे मकान गौरैया के लिए प्राकृतिक वातावरण और तापमान के लिहाज से अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराते थे,लेकिन आधुनिक मकानों में यह सुविधा अब उपलब्ध नहीं होती। यह पक्षी अधिक तापमान में नहीं रह सकता। देश की खेती-किसानी में रासायनिक उर्वरकों का बढ़ता प्रयोग बेजुबान पक्षियों और गौरैया के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गया है। केमिकल युक्त रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग से कीड़े-मकोड़े भी विलुप्त हो चले हैं। जिनमें गिद्ध, कौवा, महोख, कठफोड़वा, कौवा और गौरैया शामिल हैं।इनके भोजन का भी संकट खड़ा हो गया है।

प्रसिद्ध पर्यावरणविद् मोहम्मद ई. दिलावर नासिक से हैं और वह बाम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी से जुड़े रहे हैं। उन्होंने यह मुहिम 2008 से शुरू की थी। आज यह दुनिया के 50 से अधिक मुल्कों तक पहुंच गयी है। दिलावर के विचार में गौरैया संरक्षण के लिए लकड़ी के बुरादे से छोटे-छोटे घर बनाए जाएं और उसमें खाने की भी सुविधा भी उपलब्ध हो। घोंसले सुरक्षित स्थान पर हों, जिससे गौरैयों के अंडों और चूजों को हिंसक पक्षी और जानवर शिकार न बना सकें। हमें प्रकृति और जीव-जंतुओं के सरोकार से लोगों को परिचित कराना होगा। आने वाली पीढ़ी तकनीकी ज्ञान अधिक हासिल करना चाहती है, लेकिन पशु-पक्षियों से वह जुड़ना नहीं चाहती है। इसलिए हमें पक्षियों के बारे में जानकारी दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए। जिससे हम अपनी पर्यावरण दोस्त को उचित माहौल दे पाएं। (लेखक-प्रभुनाथ शुक्ल/ ईएमएस) (बरिष्ठ पत्रकार, लेखक एवं समीक्षक)

एक साथ चुनाव : राष्ट्रीय हित की पहल

अभी हाल ही में एक साथ चुनाव कराने को केंद्र सरकार द्वारा बनाई गई उच्च स्तरीय समिति ने व्यापक मंथन करने के पश्चात अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंप दी। इस समिति ने इस आधार पर एक साथ चुनाव कराने का समर्थन किया है, क्योंकि इसके लिए अधिकांश राजनीतिक दलों की राय एक साथ चुनाव कराने को लेकर सकारात्मक रही। राजनीतिक विद्वानों का मानना है कि एक साथ चुनाव से देश में विकास की धारा को गति मिलेगी। क्योंकि बार-बार चुनाव होने के कारण सभी राजनीतिक दलों के नेता और प्रशासनिक अधिकारी चुनाव में व्यस्त रहते हैं, जिसके कारण जन सामान्य के जुड़े ऐसे कार्य भी प्रभावित होते हैं, जो बहुत जरूरी होते हैं। ऐसे में एक साथ चुनाव कराया जाना एक सार्थक पहल कही जा सकती है। इससे बार-बार चुनाव में लगने वाले समय में कमी आएगी और आवश्यक कार्यों को तय समय सीमा में पूरा किया जा सकेगा। यह बात स्मरण करने वाली है कि वर्तमान केंद्र सरकार ने देश में कई परियोजनाओं को तय समय से पहले ही पूर्ण किया है। एक साथ चुनाव होने से इसमें और गति आएगी, यह तय है।

वर्तमान में भारत में ऐसे कई कारण हैं, जो राष्ट्रीय विकास में बाधक बन रहे हैं। इसमें एक अति प्रमुख कारण बार-बार चुनाव होना है। देश में होने वाले चुनावों के दौरान लगने वाली आचार संहिता के चलते सरकार का कामकाज भी प्रभावित होता है। हमारे देश में किसी न किसी राज्य में हर वर्ष चुनाव के प्रक्रिया चलती रहती है। चुनाव के दौरान संबंधित सरकार कोई बड़ा निर्णय नहीं ले सकती। चुनाव होने के कारण राजनीतिक दल हर साल केवल चुनाव जीतने की योजना ही बनाते रहते हैं। इस कारण देश के उत्थान के बारे में योजना बनाने या सोचने का उतना समय भी नहीं मिल पाता, जितना सरकार का कार्यकाल होता है। इसलिए वर्तमान में जिस प्रकार से एक साथ चुनाव कराने की योजना पर मंथन चल रहा है, वह देश को उत्थान के मार्ग पर ले जाने का एक अभूतपूर्व कदम है। केंद्र सरकार ने देश में एक साथ चुनाव कराने के बारे में प्राथमिक कदम उठाकर प्रक्रिया प्रारंभ करदी है। लेकिन सवाल यह भी है कि क्या एक साथ चुनाव कराया जाना उचित है? यकीनन इसका उत्तर यही होगा कि यह ठीक कदम है। अब 47 में से 32 राजनीतिक दलों ने एक साथ चुनाव पर मोहर लगाकर इसके रास्ते की बाधाओं को हटाने का कार्य किया है। यही राष्ट्रीय सोच होना चाहिए। अगर इसे इसी दृष्टिकोण से देखेंगे तो हमें यह कदम अच्छा ही लगेगा।

एक साथ चुनाव कराए जाने को लेकर केंद्र सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द के नेतृत्व में समिति बनाई। उन्होंने राष्ट्रपति रहते हुए एक बार अपने अभिभाषण में भी एक साथ चुनाव कराए जाने पर जोर दिया था। पूर्व राष्ट्रपति ने स्पष्ट कहा था कि बार-बार होने वाले चुनावों से विकास में बाधा आती है, ऐसे में देश के सभी राजनीतिक दलों को एक साथ चुनाव कराने के बारे में गंभीरता से विचार करना चाहिए। सच कहा जाए तो एक साथ चुनाव कराया जाना राष्ट्रीय चिंता का विषय है, जिसे सभी दलों को सकारात्मक दृष्टि से लेना होगा। हम यह भी जानते हैं कि देश के स्वतंत्र होने के पश्चात लम्बे समय तक एक साथ चुनाव की प्रक्रिया चली, लेकिन कालांतर में कई राज्यों की सरकारें अपने कार्यकाल की अवधि को पूरा नहीं कर पाने के कारण हुए मध्यावधि चुनाव के बाद यह क्रम बिगड़ता चला गया और चुनाव अलग-अलग समय पर होने लगे। इसके कारण देश में सरकारी कामकाज की प्रक्रिया तो बाधित होती ही है, साथ ही सरकारी कामकाज को लेकर सक्रिय रहने वाले सरकारी अधिकारी और आम जनता भी ऐसी बाधाओं के चलते निष्क्रियता के आवरण को ओढ़ लेते हैं। यह भी काम में रुकावट का कारण बनती है। इन सभी कारणों के निदान के लिए देश में एक साथ चुनाव कराने के विषय पर सभी राजनीतिक दलों के बीच संवाद बढ़ना चाहिए और इस बारे में आम सहमति बनायी जानी चाहिए।

केंद्र सरकार की मंशा स्पष्ट है, लेकिन विपक्षी राजनीतिक दल इस बारे में क्या राय रखते हैं, यह अभी तक सामने नहीं आ पाया है। हालांकि देश हित के मुद्दे पर विपक्षी राजनीतिक दलों को भी इस बारे में सरकार के रुख का पूरी तरह से समर्थन करना चाहिए। एक साथ चुनाव होने से देश में विकास की गति को समुचित दिशा मिलेगी, जो बहुत ही आवश्यक है। क्योंकि देश में बार-बार चुनाव होने से जहां राजनीतिक लय बाधित होती है, वहीं देश को आर्थिक बोझ भी झेलना पड़ता है। इसलिए एक साथ चुनाव कराए जाने के अच्छे विचार को कैसे अमल में लाया जा सकता है, इसके बारे में गंभीरता पूर्वक चिंतन करना चाहिए। यह कठिन कार्य नहीं हैं, क्योंकि दुनिया के कई देशों ने भी इस प्रकार की नीतियां बनाई हैं, जिसके अंतर्गत एक साथ चुनाव कराए जाते हैं और वे देश विकास के पथ पर निरंतर रुप से आगे बढ़ते जा रहे हैं, जब ऐसा विदेशों में हो रहा है और भारत में भी ऐसा होता रहा है, तब अब भारत ऐसा क्यों नहीं कर सकता। भारत में ऐसा होना ही चाहिए।

जब से देश में नरेन्द्र मोदी की सरकार आई है, तब से ही देश में राष्ट्रीय हित की दिशा में अनेक काम किए जा रहे हैं। इन कामों का वास्तविक स्वरुप भविष्य में ही सामने आएगा। क्योंकि देश में लम्बे समय से एक मानसिकता बन गई थी कि अब भारत से समस्याओं का निदान संभव ही नहीं है। उस समय सरकारों के संकल्प में कमी दिखाई देती थी। सरकारें हमेशा इसी उधेड़बुन में लगी रहती थी कि हमारी सरकार कैसे बचे या हमारी सरकार कैसे फिर से बने। इसी कारण कई निर्णय ऐसे भी किए जाते रहे हैं, जिससे देश की विकास की गति बाधित होती गई और स्वतंत्रता के बाद देश को जिस रास्ते पर जाना चाहिए था, उस रास्ते पर न जाकर केवल स्वार्थी राजनीति के रास्ते पर चला गया। जिसके कारण देश ने अनेक उतार चढ़ाव भी देखे हैं। वर्तमान की कई समस्याएं अपने देश की सरकारों की ही देन है। सरकारों ने अपने राजनीतिक स्वार्थ के बजाय देश हित के काम किए होते तो संभवतः देश में इतनी विकराल स्थिति पैदा नहीं होती।

मोदी सरकार ने देश की स्थिति को सुधारने के लिए कई अभूतपूर्व निर्णय किए हैं। एक साथ चुनाव की प्रक्रिया भी उसी कड़ी का हिस्सा कहा जा सकता है। एक साथ चुनाव कराने का कदम भी कुछ ऐसा ही है, जिसकी विपक्षी दल तो आलोचना करेंगे ही, लेकिन जनता निश्चित रुप से इसे सही कदम मानकर इसका समर्थन ही करेगी। अगर देश में लोकसभा और राज्यों के चुनाव एक साथ होने पर राजनीतिक दलों की सहमति बनती है तो इससे आम जनता को राहत ही मिलेगी, लेकिन सरकार विरोधी राजनीति करने वाले राजनीतिक दल इस पर क्या कहेंगे। हालांकि देश में जनहित के साथ ही राष्ट्रीय हितों के प्रति सबको समर्थन देना ही चाहिए, क्योंकि राष्ट्रीय हित से बड़ा कुछ हो ही नहीं सकता। (लेखक - सुरेश हिन्दुस्थानी/ईएमएस) (सुरेश हिन्दुस्थानी, वरिष्ठ पत्रकार)

आस्था के प्रतीक हैं खाटू के श्री श्याम

(20 मार्च मेले पर विशेष)

हमारे देश में बहुत से ऐसे धार्मिक स्थल हैं जो अपने चमत्कारों व वरदानों के लिए प्रसिद्ध हैं। उन्हीं मंदिरों में से एक है राजस्थान में शेखावाटी क्षेत्र के सीकर जिले का विश्व विख्यात प्रसिद्ध खाटू श्याम मंदिर। यहां फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की द्वादशी को श्याम बाबा का विशाल वार्षिक मेला भरता है। जिसमें देश-विदेशों से आये करीबन 25 से 30 लाख श्रृद्धालु शामिल होते हैं। खाटू श्याम का मेला राजस्थान के बड़े मेलों में से एक है।

इस मंदिर में भीम के पौत्र और घटोत्कच के पुत्र बर्बरीक की श्याम यानी कृष्ण के रूप में पूजा की जाती है। इस मंदिर के लिए कहा जाता है कि जो भी इस मंदिर में जाता है उन्हें श्याम बाबा का नित नया रूप देखने को मिलता है। कई लोगों को तो इस विग्रह में कई बदलाव भी नजर आते है। कभी मोटा तो कभी दुबला। कभी हंसता हुआ तो कभी ऐसा तेज भरा कि नजरें भी नहीं टिक पातीं। श्याम बाबा का धड़ से अलग शीष और धनुष पर तीन वाण की छवि वाली मूर्ति यहां स्थापित की गईं। कहते हैं कि मन्दिर की स्थापना महाभारत युद्ध की समाप्ति के बाद स्वयं भगवान कृष्ण ने अपने हाथों की थी।

श्याम बाबा की कहानी महाभारत काल से आरम्भ होती है। वे पहले बर्बरीक के नाम से जाने जाते थे तथा भीम के पुत्र घटोतकच और नाग कन्या अहिलवती के पुत्र थे। बाल्यकाल से ही वे बहुत वीर और महान योद्धा थे। उन्होने युद्ध कला अपनी मां से सीखी। भगवान शिव की घोर तपस्या करके उन्हें प्रसन्न किया और उनसे तीन अभेध्य बाण प्राप्त कर तीन बाणधारी के नाम से प्रसिद्ध हुये। अग्नि देव ने प्रसन्न होकर उन्हें धनुष प्रदान किया जो उन्हें तीनो लोकों में विजयी बनाने में समर्थ थे।

कौरवों और पाण्डवों के मध्य महाभारत युद्ध का समाचार बर्बरीक को प्राप्त हुआ तो उनकी भी युद्ध में सम्मिलित होने की इच्छा जागृत हुयी। जब वे अपनी मां से आशीर्वाद प्राप्त करने पहुंचे तब मां को हारे हुये पक्ष का साथ देने का वचन दिया। महाभारत के युद्ध में भाग लेने के लिये वे अपने नीले रंग के घोडे पर सवार होकर धनुष व तीन बाणों के साथ कुरूक्षेत्र की रणभूमि की और अग्रसर हुये।

भगवान कृष्ण ने ब्राह्मण वेश धारण कर बर्बरीक से परिचित होने के लिये उसे रोका और यह जानकर उनकी हंसी भी उड़ायी कि वह मात्र तीन बाण से युद्ध में सम्मिलित होने आया है। ऐसा सुनने पर बर्बरीक ने उत्तर दिया कि मात्र एक बाण शत्रु सेना को ध्वस्त करने के लिये पर्याप्त है और ऐसा करने के बाद बाण वापिस तरकस में ही आयेगा। यदि उन्होने तीनो बाणों को प्रयोग में ले लिया गया तो तीनो लोकों में हाहाकार मच जायेगा। इस पर कृष्ण ने उन्हें चुनौती दी की इस पीपल के पेड के सभी पत्रों को छेद कर दिखलाओ। जिसके नीचे दोनो खड़े थे। बर्बरीक ने चुनौती स्वीकार की और अपने तुणीर से एक बाण निकाला और ईश्वर को स्मरण कर बाण पेड़ के पत्तो की और चलाया।

तीर ने क्षण भर में पेड के सभी पत्तों को भेद दिया और कृष्ण के पैर के इर्द-गिर्द चक्कर लगाने लगा। क्योंकि एक पत्ता उन्होनें अपने पैर के नीचे छुपा लिया था। तब बर्बरीक ने कृष्ण से कहा कि आप अपने पैर को हटा लीजिये वर्ना ये आपके पैर को चोट पहुंचा देगा। कृष्ण ने बालक बर्बरीक से पूछा कि वह युद्ध में किस और से सम्मिलित होगा तो बर्बरीक ने अपनी मां को दिये वचन दोहराते हुये कहा कि वह युद्ध में निर्बल और हार की और अग्रसर पक्ष की तरफ से भाग लेगा। कृष्ण जानते थे कि युद्ध में हार तो कौरवों की ही निश्चित है। अगर बर्बरीक ने उनका साथ दिया तो परिणाम उनके पक्ष में ही होगा।

ब्राह्मण बने कृष्ण ने बालक बर्बरीक से दान की अभिलाषा व्यक्त की। इस पर वीर बर्बरीक ने उन्हें वचन दिया कि अगर वो उनकी अभिलाषा पूर्ण करने में समर्थ होगा तो अवश्य करेगा। कृष्णा ने उनसे शीश का दान मांगा। बालक बर्बरीक क्षण भर के लिये चकरा गया परन्तु उसने अपने वचन की दृढ़ता जतायी। बालक बर्बरीक ने ब्राह्मण से अपने वास्तिवक रूप में आने की प्रार्थना की और कृष्ण के बारे में सुन कर बालक ने उनके विराट रूप के दर्शन की अभिलाषा व्यक्त की। तब कृष्ण ने उन्हें अपना विराट रूप दिखाया।

उन्होने बर्बरीक को समझाया कि युद्ध आरम्भ होने से पहले युद्धभूमि की पूजा के लिये एक वीर क्षत्रिय के शीश के दान की आवश्यक्ता होती है। उन्होनें बर्बरीक को युद्ध में सबसे बड़े वीर की उपाधि से अलंकृत कर उनका शीश दान में मांगा। बर्बरीक ने उनसे प्रार्थना की कि वह अंत तक युद्ध देखना चाहता है। श्री कृष्ण ने उनकी यह बात स्वीकार कर ली। फाल्गुन माह की द्वादशी को उन्होनें अपने शीश का दान दिया। उनका सिर युद्धभूमि के समीप ही एक पहाड़ी पर सुशोभित किया गया जहां से बर्बरीक सम्पूर्ण युद्ध का जायजा ले सकते थे।

युद्ध की समाप्ति पर पांडवों में ही आपसी खींचाव हुआ कि युद्ध में विजय का श्रेय किसको जाता है। इस पर कृष्ण ने उन्हें सुझाव दिया कि बर्बरीक का शीश सम्पूर्ण युद्ध का साक्षी है। उससे बेहतर निर्णायक भला कौन हो सकता है। सभी इस बात से सहमत हो गये। बर्बरीक के शीश ने उत्तर दिया कि कृष्ण ही युद्ध मे विजय प्राप्त कराने में सबसे महान पात्र हैं। उनकी शिक्षा, उनकी उपस्थिति, उनकी युद्धनीति ही निर्णायक थी। उन्हें युद्धभूमि में सिर्फ उनका सुदर्शन चक्र घूमता हुआ दिखायी दे रहा था जो कि शत्रु सेना को काट रहा था। महाकाली दुर्गा कृष्णा के आदेश पर शत्रु सेना के रक्त से भरे प्यालों का सेवन कर रही थी।

कृष्ण वीर बर्बरीक के महान बलिदान से काफी प्रसन्न हुये और वरदान दिया कि कलियुग में तुम श्याम नाम से जाने जाओगे, क्योंकि कलियुग में हारे हुये का साथ देने वाला ही श्याम नाम धारण करने में समर्थ होगा। ऐसा माना जाता है कि एक बार एक गाय उस स्थान पर आकर अपने स्तनों से दुग्ध की धारा स्वतरू ही बहा रही थी बाद में खुदायी के बाद वह शीश प्रकट हुआ।

एक बार खाटू के राजा को स्वप्न में मन्दिर निर्माण के लिये और वह शीश मन्दिर में सुशोभित करने के लिये प्रेरित किया गया। तदन्तर उस स्थान पर मन्दिर का निर्माण किया गया और कार्तिक माह की एकादशी को शीश मन्दिर में सुशोभित किया गया, जिसे बाबा श्याम के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है। मूल मंदिर 1027 ई. में रूपसिंह चैहान और उनकी पत्नी नर्मदा कंवर द्वारा बनाया गया था। मारवाड़ के शासक ठाकुर के दीवान अभय सिंह ने ठाकुर के निर्देश पर 1720 ई0 में मंदिर का जीर्णोद्धार कराया। मंदिर इस समय अपने वर्तमान आकार ले लिया और मूर्ति गर्भगृह में प्रतिष्ठापित किया गया था। मूर्ति दुर्लभ पत्थर से बनी है।

पिछले वर्ष अगस्त को खाटू श्याम मंदिर में दर्शन करने जा रही 3 महिलाओं की भगदड़ में मौत होने के बाद प्रशासन यहां की व्यवस्था को लेकर पूरा सख्त हो गया। जिला प्रशासन व मंदिर प्रबंध कमेटी ने मिलकर खाटू श्याम मंदिर परिक्षेत्र में कई नई सुविधाओं को प्रारंभ किया है। यहां के आम रास्तों को 40 फीट तक चौड़ा किया गया है। मंदिर में दर्शन करने की व्यवस्था में भी आमूलचूल परिवर्तन किया गया है। इससे मंदिर में दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा हो रही है। यदि आने वाले समय में सरकार यहां के मंदिर परिसर का विस्तार कर एक सार्वजनिक ट्रस्ट का गठन करें तो राजस्थान के इस प्रसिद्ध मंदिर का भी आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर की तरह व्यवस्थित ढंग से विकास हो सकता है। जिसका लाभ श्रद्धालुओं को ही मिलेगा।(लेखक-रमेश सर्राफ धमोरा/ ईएमएस) (लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

आज का इतिहास 20 मार्च

1351 मुहम्मद तुगलक शाह द्वितीय की मौत.
1602 ईस्ट इंडिया कंपनी का गठन.
1616 सर वाल्टर रैले को टॉवर ऑफ लंदन से रिया.
1784 हालैंड ने नागपटनम अंग्रेजो के हवाले किया
1815 नेपोलियम बोनापार्ट पेरिस पंहुचा.
1849 बावरिया नरेश लुडविग प्रथम ने गद्दी छोड़ी.
1916 तुर्की के विभाजन के बारे में मित्र राष्ट्रों में सहमति हुई.
1952 दक्षिण अफ्रीका के सुप्रीम कोर्ट ने नस्ली कानूनों को अवैध करार दिया.
1956 फ्रांस ने टयूनिशिया की स्वतंत्रता को मान्यता प्रदान की
1990 नामीबिया दक्षिण अफ्रीका से स्वतंत्र हुआ.

शब्द पहेली - 7952

बाएँ से दाएँ

1.पैगंबर,खुदाई रहनुमा-4
4.कारगुजारी,करिश्मा-4
7.दौड़ना (अंग्रेजी -2)
8.पासे फैंक कर भविष्य जानने की विद्या-3
9.गहराई-2
10.राय,वोट-2
12.आलीशान,उदार-3
14.नकारना,इंकार करना-2,3
15.चोरी करना-2,3
17.राशन,खाद्य सामग्री-3
19.गन्ना-2
21.हर रोज,प्रतिदिन-2
23.वाद्य बजाने वाला-3
24.शारीरिक ऊंचाई-2
25.जहां ताजिए दफन करते हैं-4
26.महीन व मूल्यवान कपड़ा-4

ऊपर से नीचे

1.हमेशा,हर पल,सदैव-4
2.जनता,लोक-2
3.द्रव पदार्थ-3
4.नागपुर के पास का एक कस्बा जहां जापान के सहयोग से भव्य बौद्ध मंदिर बना है-4
5.और,एवं-2
6.मन भटकाना-4
11.झगड़ा,कहासुनी-4
13.कोमलता-4
14.राजी करना-3
15.सहखिलाड़ी-4
16.चौकीदार,प्रहरी-4
18.कीचड़ -4
20.नगद राशि-3
22.पानी से सराबोर-2
24.थोड़ा,जरा-2

शब्द पहेली -7951 का हल

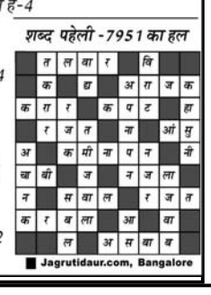

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन पाकिस्तान में ही होगा किसी अन्य देश में आयोजित नहीं करेंगे : नकवी

कराची (ईएमएस)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा कि चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी हम अगले साल तय समय पर ही करेंगे। पीसीबी प्रमुख ने कहा कि वह इस प्रतियोगिता का आयोजन किसी अन्य देश में करने पर विचार नहीं कर रहे। नकवी ने कहा कि उन्होंने पिछले सप्ताह दुबई में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की बैठक के दौरान भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह से भी इस बारे में बात की थी।

नकवी ने कहा, 'हां हमने थोड़ी देर के लिए बातचीत की थी पर उसकी जानकारी नहीं दी जा सकती। जब उनसे पूछा गया कि अगर भारतीय टीम पाकिस्तान का दौरा नहीं करती है तो क्या यह टूर्नामेंट किसी अन्य देश में आयोजित किया जाएगा तो उन्होंने कहा, 'मैं अभी टूर्नामेंट को किसी अन्य देश में आयोजित करने के बारे में सोच भी नहीं रहा हूं। हमें पूरा भरोसा है कि हम पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करेंगे। वहीं इससे पहले आईसीसी बोर्ड के एक सदस्य ने हाल में कहा था कि वह भारत को पाक का दौरा नहीं करने की सरकारी नीति का उल्लंघन करने के लिए नहीं कहेगा। नकवी ने इसके साथ ही कहा कि पीसीबी प्रतियोगिता के करीब आने पर किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। उन्होंने इसके अलावा कहा कि कराची, लाहौर और रावलपिंडी के स्टेडियमों का नवीनीकरण किया जाएगा। इन स्थानों पर चैंपियंस ट्रॉफी के अधिकतर मैचों का आयोजन किया जाएगा। भारत ने नवंबर 2008 में मुंबई आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय श्रृंखला नहीं खेली है। इसी कारण पाक में होने वाले एशिया कप में भारतीय टीम के मैच श्रीलंका में खेले गये थे।

ऑस्ट्रेलिया ने महिलाओं के मानवाधिकार हनन को लेकर अफगानिस्तान के साथ क्रिकेट सीरीज स्थगित की

सिडनी (ईएमएस)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने अफगानिस्तान में महिलाओं और लड़कियों के मानवाधिकारों हनन के विरोधस्वरुप अफगानिस्तान के साथ होने वाली तीन टी-20 मैचों की सीरीज स्थगित कर दी है। सीए ने कहा कि अफगानिस्तान में महिलाओं और लड़कियों के मानवाधिकारों की स्थिति में स्थिति में गिरावट आई है। इसी को देखते हुए उसने ऑस्ट्रेलिया सरकार के साथ सलाह के बाद

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 736 , निफ़्टी 238 अंक नीचे आया

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को भारी गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट एशियाई बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही टीसीएस, इन्फोसिस और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में बिकवाली के कारण आई है। आज सुबह ही बाजार गिरावट पर खुला और ये सिलसिला अंत तक चला। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 736.37 अंक करीब 1.01 फीसदी नीचे आकर 72,012.05 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी भी 238.25 अंक तकरीबन 1.08 फीसदी टूटकर 21,817.45 पर बंद हुआ।

बाजार जानकारों के दिग्गज कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस और इन्फोसिस के शेयरों में आई गिरावट से भी बाजार नीचे आया। इसके अलावा अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों को लेकर इस सप्ताह होने वाले फैसले से पहले निवेशकों के सतर्क रुख से भी बाजार पर दबाव पड़ा है।

सेंसेक्स की कंपनियों में टीसीएस का शेयर 4 फीसदी से ज्यादा नीचे आकर बंद हुआ। वहीं इंडसइंड बैंक, विप्रो, नेस्ले, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इंफोसिस, पावर ग्रिड, आईटीसी, टेक महिंद्रा, टाटा मोटर्स और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर भी गिरावट पर बंद हुए।

दूसरी ओर बजाज फाइनेंस, कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी बैंक, बजाज फिनसर्व, टाइटन और भारती एयरटेल के शेयर लाभ के साथ ही बढ़त पर बंद हुए।

एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का सियोल, चीन का शंघाई और हांगकांग का बाजार नीचे आकर बंद हुआ जबकि जापान का टोक्यो लाभ पर बंद हुआ। वहीं यूरोपीय बाजारों में हल्की बढ़त दर्ज की गयी। ।

इससे पहले आज सुबह

बाजार में बड़ी गिरावट दर्ज की गई और बीएसई सेंसेक्स 250 से ज्यादा अंकों की गिरावट लेकर खुला। बीएसई सेंसेक्स 72,462.94 अंक पर खुला जो अपने पिछले बंद भाव 72,748.42 अंक की तुलना में 286 अंक की गिरावट को दिखाता है। सेंसेक्स की केवल 4 कंपनियां ही हरे निशान में कारोबार कर रही थी जबकि शेष 26 के शेयर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 22 हजार अंक के लेवल से नीचे गिरते हुए गिरावट के साथ 21,946.45 अंक पर खुला। जापान के केंद्रीय बैंक ने पिछले 17 साल में पहली बार ब्याज दरों को बढ़ाया है जिसका एशियाई बाजारों पर नकरात्मक असर पड़ा है।

ऑस्ट्रेलिया में चक्रवात से सैकड़ों लोग फंस गए

कैनबरा (ईएमएस)। उष्णकटिबंधीय चक्रवात मेगन के कारण सुदूर उत्तरी ऑस्ट्रेलिया के सैकड़ों लोग फंसे हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक चक्रवात मेगन ने सोमवार दोपहर ऑस्ट्रेलिया के उत्तरी क्षेत्र के उत्तर-पूर्व में दस्तक दी। इससे 200 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं और भारी बारिश हुई। इससे पहले सोमवार को मौसम की बिगड़ती स्थिति के कारण आसपास के शहरों से हवाई सेवा को निलंबित कर दिया गया। इससे लोग वहां से निकल नहीं सके। चक्रवात के कारण करीब 700 लोग फंस गए। इलाके की बिजली काट दी गई है। एक संवाददाता सम्मेलन में राज्य के मुख्यमंत्री ईवा लॉलर ने कहा कि बोरोलूला में हम लोगों को सुरक्षित रखने के लिए काम कर हैं। मौसम विज्ञान ब्यूरो (बीओएम) ने देश के उत्तरी क्षेत्र के के उत्तर-पूर्व में 300 मिमी तक बारिश की आशंका के साथ बाढ़ की भी चेतावनी जारी की है।

प्रकाश अंबेडकर ने मल्लिकार्जुन खरगे को पत्र लिखकर समर्थन की पेशकश की

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र में प्रकाश अंबेडकर ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को पत्र लिखकर समर्थन की पेशकश की है, साथ ही उन्होंने उद्धव ठाकरे और शरद पवार की की पार्टी पर गंभीर आरोप भी लगाया है। वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) के प्रमुख प्रकाश अंबेडकर ने मंगलवार को अपनी पार्टी को उचित सम्मान नहीं देने का आरोप लगाते हुए शिवसेना (उद्धव) और एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के प्रति अपनी नाराजगी व्यक्त की। साथ ही उन्होंने कांग्रेस को 7 सीटों पर समर्थन की पेशकश की है।

खरगे को लिखे अपने पत्र में, अंबेडकर ने कहा, चुनावों के कार्यक्रम की घोषणा की जा चुकी है और एमवीए किसी भी चर्चा या बैठक के लिए वीबीए को आमंत्रित किए बिना लगातार बैठक कर रहा है। शिव सेना (यूबीटी) और एनसीपी (शरदचंद्र पवार) ने हमारी बातों को सुनने से इनकार कर दिया है। कई एमवीए बैठकों में वीबीए के प्रतिनिधि थे और एमवीए में वीबीए के प्रति उनके असमान रवैये के कारण हमने इन दोनों पार्टियों पर विश्वास खो दिया है।

साथ ही उन्होंने कहा कि वीबीए का मुख्य एजेंडा एक ही है - फासीवादी, विभाजनकारी, अलोकतांत्रिक भाजपा-आरएसएस सरकार को सत्ता से बाहर करना। इस विचार के साथ, मैंने महाराष्ट्र में सात सीटों पर कांग्रेस को वीबीए का पूरा समर्थन देने का फैसला किया है। हमारी पार्टी आपकी पसंद की इन सात सीटों पर आपकी पार्टी के उम्मीदवारों को अपना पूरा जमीनी और रणनीतिक समर्थन देगी।

गौरतलब है कि डॉ बी आर अंबेडकर के पोते प्रकाश अंबेडकर ने पहले वीबीए उम्मीदवार के रूप में अकोला सीट से लोकसभा के लिए अपनी उम्मीदवारी की घोषणा भी की है।

बिहार में इंडिया गठबंधन में सीटों पर तस्वीर साफ, 9 सीटों पर कांग्रेस

राजद एनडीए से नाराज चेहरों के इंतजार में

पटना (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव को लेकर इंडिया गठबंधन के अंदर सीट बंटवारे को लेकर तस्वीर साफ हो रही है। सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस और माले की सीटें करीब-करीब फाइनल हो चुकी है। वहीं राजद एनडीए से नाराज चेहरों के इंडी गठबंधन में आने के इंतजार में है। दरअसल एनडीए ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर सीट शेयरिंग की घोषणा कर दी है। लेकिन, इंडी गठबंधन में अब तक सीटों की घोषणा नहीं हुई है।

जानकारी के मुताबिक कांग्रेस 9 सीटों पर चुनाव लड़ने जा रही है। सूत्रों के अनुसार कांग्रेस बिहार के औरंगाबाद, पटना साहिब, बक्सर, किशनगंज, कटिहार, वाल्मिकीनगर, सासाराम सीट पर चुनाव लड़ेगी।

वहीं कांग्रेस पश्चिम चंपारण, नवादा और पूर्णिया सीट भी लेना चाहती है। लेकिन, कांग्रेस ने आखिरी निर्णय राजद पर छोड़ दिया है। जानकारी के अनुसार इन सीटों पर राजद जो फैसला लेगी कांग्रेस मानेगी। वहीं दरभंगा, समस्तीपुर और मधुबनी पर राजद कांग्रेस की बातचीत अंतिम दौर में है। वहीं इंडी गठबंधन में राजद लगभग 27 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहा है।

बात दें कि आरजेडी और तेजस्वी यादव गठबंधन के अंदर अपनी सीटों को लेकर पशुपति पारस और मुकेश सहनी के फैसले का इंतजार कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक पशुपति की राजद के साथ बातचीत कर रही है। अगर बातचीत फाइनल होती हैं, तब तेजस्वी पशुपति को अपने कोटे से सीट दे सकते हैं।

सिपाही घिसटती ाली गइभ, पर नहीं ोमडा बदमाश वै स्कूटर

नई दिज्री (ईएमएस)। नॉर्थ ईस्ट दिज्री वै भजनपुरा इलावै में एवै महिला सिपाही पैदल जा रही थी ?वि तभी एवै स्कूटर सवार बदमाश ने म?हिला वै हाथ से हैंडबैग ीन लिा। सिविल ड्रेस में पैदल ाि रही महिला पुलिसवैर्मी ने तुरंत बैग वापस लेने वैं वैशिश वैं। बदमाश ने नीीं गिरा दिा, जिसवै बाद पुलिसवैर्मी ने स्कूटर पवैमड लिा। बदमाश ने स्कूटर दौमडा दिा, जिससे वह घिसटती हुई ाली गइभ। महिला ने शोर मिाा तो पब्लिवै वैं मदद से आरोपी वै पवैमड लिा गा। आरोपी वैं पहिान मौजपुर वै मोहनपुरी निवासी हात उर्पै सलीम (40) वै तौर पर हुई है। रितिवै (23) दिज्री पुलिस में सिपाही हैं, जिनवैं तैनाती इन दिनों नॉर्थ ईस्ट जिले में हैं। वह गीता वैॉलोनी में वैिराए पर रहती हैं। मूल अप से मध पन्देश वै सीरोह जिले से हैं। उन्होंने पुलिस वै बताा वि वह शनिवार शाम वैरीब 4:00 बजे ामुना विहार सी-12 रोड पर मस्जिद वै सामने से पैदल जा रही थीं। इसी दौरान स्कूटर सवार बदमाश ने वारदात वै अंजाम दिा। आरोपी से बैग बरामद हो गा है। पुलिस ने लूटपाट वै मुवैदमा दर्ज वैर आरोपी बदमाश वै गिरपॉतार वैर लिा। पुलिस ने आरोपी वै स्कूटर भी जब्त वैर लिा। पुलिस आरोपी वै आपराधिवै रिवैॉर्ड खंगाल रही है।

दिल्ली दुनिया की सबसे प्रदूषित हवा वाली राजधानी

खराब हवा के मामले में भारत तीसरे, पाकिस्तान दूसरे नंबर पर; बांग्लादेश की हवा सबसे ज्यादा खराब

नई दिल्ली(ईएमएस)। भारत 2023 में तीसरा सबसे खराब हवा वाला देश रहा। स्विस ऑर्गेनाइजेश ढ्ढक्त एयर की वर्ल्ड एयर क्वालिटी रिपोर्ट 2023 के मुताबिक, बांग्लादेश दुनिया में सबसे खराब हवा वाला देश रहा। 134 देशों की इस लिस्ट में पाकिस्तान दूसरे नंबर पर है।

रिपोर्ट के मुताबिक, नई दिल्ली सबसे खराब हवा वाली राजधानी रही। बिहार का बेगूसराय दुनिया का सबसे प्रदूषित महानगर है, जबकि 2022 में इस लिस्ट में बेगूसराय का नाम भी नहीं था। 2022 में प्रदूषित हवा वाले देशों की सूची में भारत आठवें स्थान पर था।

भारत में 96 प्रतिशत लोग खराब हवा में सांस ले रहे

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 1.33 अरब यानी 96 प्रतिशत लोग ऐसी हवा में रहते हैं, जिसमें पीएम 2.5 का स्तर डब्ल्यूएचओ के एनुअल स्टैंडर्ड से 7 गुना ज्यादा है। वहीं देश के 66 प्रतिशत शहरों में एनुअल पीएम 2.5 का स्तर 35 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर से ज्यादा रहा।

रिपोर्ट में पीएम 2.5 कणों के आधार पर देशों, राजधानियों तथा शहरों की रैंकिंग की गई है। यह एक तरह का पार्टिकुलेट मैटर होता है, जिसका डायमीटर (व्यास) 2.5 माइक्रोमीटर या उससे कम होता है। यह बेहद छोटे कण होते हैं, जो हवा की गुणवत्ता को खराब करते हैं। भारत में पिछले साल पीएम 2.5 का औसत स्तर 1 क्यूबिक मीटर में 54.4 माइक्रोग्राम रहा। यह डब्ल्यूएचओ के पैमाने से 10 गुना ज्यादा था।

प्रदूषित हवा से हर साल 70 लाख लोग जान गंवा रहे

डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, दुनिया में हर साल प्रदूषित हवा की वजह से 70 लाख लोगों की मौत हो जाती है। वहीं मरने वाले हर 9 लोगों में से 1 की मौत खराब हवा के कारण हो रही है। आईक्यू एयर ने बताया कि इस साल का डेटा 30,000 से ज्यादा वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों और रिसर्च संस्थानों, विश्वविद्यालयों और सरकारी एजेंसियों के डेटा को इकत्र करके जारी किया किया गया है। राजधानी दिल्ली में पिछले साल पीएम 2.5 का स्तर 1 क्यूबिक मीटर में 92.7 माइक्रोग्राम रहा। जबकि बेगूसराय में यह 118.9 माइक्रोग्राम रहा। दिल्ली को 2018 से लगातार चार बार दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी का दर्जा दिया जा चुका है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद पतंजलि फूड्स के शेयरों में आई भारी गिरावट

मुंबई (ईएमएस)। पतंजलि फूड्स के शेयर बीएसई पर 4.45 फीसदी के गिरावट के साथ 1353.60 रुपये प्रति शेयर पर बंद हुए। कंपनी के शेयरों में यह गिरावट सुप्रीम कोर्ट के बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश होने के आदेश के बाद हुई है।

सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश पतंजलि के भ्रामक विज्ञापन मामले में दिया है। अदालत का यह निर्देश 27 फरवरी को भ्रामक विज्ञापन ब्रॉडकास्ट करने के लिए पतंजलि आयुर्वेद की आलोचना के बाद आया है। पतंजलि फूड्स के शेयर बेंचमार्क एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स में मंगलवार को 4.45 प्रतिशत या 63 रुपये की गिरावट के साथ 1353.60 रुपये प्रति शेयर पर बंद हुआ। वहीं, तीस शेयरों वाला सेंसेक्स 1.01 फीसदी या 736.37 अंक की बड़ी गिरावट के साथ 72,012.05 पर क्लोज हुआ।

पतंजलि फूड्स ने पिछले हफ्ते भारत में कंपनी की दो पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनियों के गठन की घोषणा की। कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए प्रति इक्विटी शेयर 6 रुपये का अंतरिम डिविडेंड का भी ऐलान किया। इसका भुगतान 11 अप्रैल, 2024 को या उससे पहले किया जाएगा।

क्या है मामला ?

बता दें कि शीर्ष अदालत 'इंडियन मेडिकल एसोसिएशन' (आईएमए) की एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें रामदेव पर वैक्सीनेशन अभियान और आधुनिक दवाओं के खिलाफ मुहिम चलाने का आरोप लगाया गया है। आरोप है कि पतंजलि ने अपने विज्ञापनों में ब्लड प्रेशर, मधुमेह, बुखार, मिर्गी और ल्यूपस जैसी बीमारियों का इलाज करने का दावा किया था।

के कविता ने सुप्रीम कोर्ट से याचिका वापस ली

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले में बीआरएस नेता के.कविता ने मंगलवार को ईडी के समन के खिलाफ अपनी याचिका सुप्रीम कोर्ट से वापस ले ली है। दावा है कि उनकी गिरफ्तारी के बाद यह याचिका बेकार हो गई। फिलहाल कविता 23 मार्च तक ईडी की रिमांड में भेज दी गई हैं। कविता ने 18 मार्च को अपनी गिरफ्तारी के विरोध में सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। याचिका वापस लेने के बाद उनके वकील ने कहा के वे कानून के अनुसार ही मामले से निपटने के लिए जरूरी नियमों का सहारा लेंगे। 18 मार्च को ईडी ने बयान जारी किया था। एजेंसी का दावा है कि के.कविता ने दिल्ली एक्साइज पॉलिसी के निर्माण और लागू करने में लाभ पाने के लिए आप के सीनियर लीडर्स के साथ साजिश रची।

सोने और चांदी की कीमतों में उछाल

- सोना 65,700, चांदी लगभग 75,600 रुपए

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोने व चांदी के वायदा कारोबार में मंगलवार को तेजी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। मंगलवार को सोना 65,700 रुपये और चांदी 75,600 रुपये के करीब कारोबार कर रही है। वै?श्विक बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत हल्की गिरावट के साथ हुई। हालांकि बाद में इनके भाव में सुधार देखने को मिला। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 1 रुपये की तेजी के साथ 65,609 रुपये के भाव पर खुलकर 57 रुपये की तेजी के साथ 65,665 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरूआत तेजी के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 79 रुपये की तेजी के साथ 75,575 रुपये के भाव पर खुलकर 90 रुपये की तेजी के साथ 75,586 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै?श्विक बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत हल्की गिरावट के साथ हुई। हालांकि बाद में इनके भाव में सुधार देखने को मिला। कॉमेक्स पर सोना 2,164 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,164.30 डॉलर था। ?फिलहाल यह 0.50 डॉलर की तेजी के साथ 2,164.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 25.25 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 25.26 डॉलर था। ?फिलहाल यह 0.07 डॉलर की तेजी के साथ 25.33 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

बैंक ऑफ जापान ने 17 वर्षों में पहली बार ब्याज दर बढ़ाई

तोक्यो (ईएमएस)। जापान के केंद्रीय बैंक ने अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए 17 वर्षों में पहली बार मंगलवार को अपनी ब्याज दर को बढ़ा दिया। इसके साथ ही वहां नकारात्मक ब्याज दरों की लंबे समय से चली आ रही नीति समाप्त हो गई है। बैंक ऑफ जापान ने अपनी नीति बैठक में अल्पकालिक ब्याज दर को ऋणात्मक 0.1 प्रतिशत से बढ़ाकर 0.1 प्रतिशत कर दिया। ब्याज दरों में फरवरी 2007 के बाद पहली बार बढ़ोतरी हुई है। केंद्रीय बैंक ने दो प्रतिशत मुद्रास्फीति का लक्ष्य तय किया था, जिससे यह संकेत मिलता है कि जापान आखिरकार अपस्फीति की प्रवृत्ति से बच गया है। मुद्रास्फीति के विपरीत अपस्फीति में कीमतें कम होने लगती हैं। बैंक ऑफ जापान के प्रमुख काजुओ उएदा ने इससे पहले कहा था कि अगर दो प्रतिशत मुद्रास्फीति लक्ष्य पूरा हो जाता है, तो बैंक अपनी नकारात्मक ब्याज दर की समीक्षा करेगा।

निर्यातकों को मुनाफा बढ़ाने ब्रिटेन के नए नियम का करना होगा पालन: डीजीएफटी

नई दिल्ली (ईएमएस)। ब्रिटेन को निर्यात पर शुल्क रियायतों का लाभ उठाने के इच्छुक निर्यातकों को विकासशील देश व्यापार योजना (डीसीटीएस) के तहत नए ब्रिटिश नियमों का पालन करना होगा। एक व्यापार नोटिस में विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने कहा कि ब्रिटेन ने 19 जून, 2023 से प्रभावी प्राथमिकताओं की सामान्यीकृत योजना (जीएसपी) के तहत अपनी मौजूदा मूल घोषणा प्रक्रिया को यूके डीसीटीएस से बदल दिया है। इसके लिए बदलाव की अवधि को 31 दिसंबर, 2023 तक बढ़ा दिया गया था। निर्यातकों को संबोधित नोटिस में कहा गया ?कि एक जनवरी, 2024 से भारतीय निर्यातकों को ब्रिटेन में अपने निर्यात पर रियायतें प्राप्त करने के लिए डीसीटीएस के तहत नए नियमों का पालन करना जरूरी है। इसमें कहा गया कि यूके डीसीटीएस उत्पत्ति के नियमों (आरओओ) की पात्रता वाली वस्तुएं ब्रिटेन में निर्यात के लिए आयात शुल्क की रियायती दर का दावा करने की पात्र होंगी।

दिल्ली सरकार ने आबकारी नीति को अगले वित्त वर्ष तक बढ़ाया

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली सरकार ने अपनी मौजूदा आबकारी नीति में आगामी वित्त वर्ष 2024-25 के लिए बढ़ोतरी कर दी है। दिल्ली सरकार के आबकारी विभाग ने एक आदेश में कहा है कि सक्षम प्राधिकारी ने लाइसेंसिंग वर्ष 2023-24 के समान नियमों और शर्तों के आधार पर थोक लाइसेंस देने के लिए आबकारी नीति को 2024-25 में जारी रखने की मंजूरी दे दी है। अधिकारियों ने कहा कि थोक लाइसेंस को आबकारी नीति के उन नियमों और शर्तों पर अनुमति दी जाती है जो एक अक्टूबर, 2023 से 31 मार्च, 2024 तक प्रभावी हैं। अधिकारियों के मुताबिक शराब की खुदरा बिक्री और होटल, क्लब एवं रेस्तरां श्रेणी के लाइसेंस के लिए आवश्यक परिपत्र अगले कुछ दिनों में जारी किए जाएंगे। सितंबर 2022 में लागू आबकारी नीति के तहत खुदरा शराब व्यवसाय निजी फर्मों से दिल्ली सरकार के उद्यमों में स्थानांतरित हो गया था। इसे पहले अप्रैल, 2023 और फिर अक्टूबर, 2023 में बढ़ाया गया था। यह नीति 17 नवंबर, 2021 को लागू की गई दिल्ली सरकार की महत्वाकांक्षी आबकारी नीति 2021-22 के निर्माण और कार्यान्वयन में अनियमितताओं के आरोपों के बाद लाई गई थी।

कार में बैठी महिला की छोटी सी गलती ने ली जान

- कार की एक खूबी बनी शाप, सवालों के घेरे में टेस्ला

वा?शिंगटन (ईएमएस)। एक युवा महिला सीईओ की मौत से यूएस में सनसनी फैल गई है। एंजेला चाओ टेक्सस आधारित कंपनी फोरमोस्ट ग्रुप की अरबपति सीईओ थीं। फोरमोस्ट ग्रुप ग्लोबल ड्राई बल्क शिपिंग इंडस्ट्री में एक बड़ा नाम है। एंजेला की पिछले महीने एक कार दुर्घटना में मौत हुई थी। पहले सभी को यह एक आम कार दुर्घटना लगी लेकिन जब इस घटना की जांच हुई तो सच्चाई कुछ और ही निकली। जांच में सामने आया कि एंजेला ने गलती से अपनी टेस्ला कार में रिवर्स गियर लगा दिया था जिसकी वजह से उनकी कार पीछे तालाब में चली गई। कार में पानी भर गया और कार से बाहर नहीं निकल पाने के कारण उनकी मौत हो गई। यह घटना 9 फरवरी की बताई जा रही है। उस दिन वह अपने दोस्तों से भी मिली थीं। उन्होंने अपने दोस्तों को भी मदद के लिए बुलाया था लेकिन वहां पहुंचने के बावजूद उनकी कोई सहायता नहीं कर पाया। एंजेला टेस्ला ड्राइव कर रही थीं। टेस्ला की खिड़की के शीशे मजबूत लेमिनेटेड ग्लास से बने होते हैं ताकि दुर्घटना की स्थिति वह टूटे नहीं और चालक बाहर की ओर न निकले। कार की यह खूबी एंजेला के लिए शाप बन गई। आपातकालीन टुकड़ी और दमकल विभाग वहां पहुंच गया था लेकिन काफी देर के प्रयास के बाद भी खिड़की नहीं टूटी। लगभग 1 घंटे वह किसी तरह खिड़की तोड़कर एंजेला को निकालने में सफल हुए लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। जांच एजेंजियों ने साफ कर दिया है कि वह इस मामले में किसी तरह के आपराधिक दृष्टिकोण की जांच नहीं करेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार दुर्घटना से एक दिन पहले भी एंजेला ने कार को ड्राइव की बजाय रिवर्स में डाल दिया था। आपको बता दें कि टेस्ला के रिवर्स फंक्शन को लेकर कई और कार यूजर्स भी शिकायत कर चुके हैं।

शंघाई में सजता है दूल्हा-दुल्हन का बाजार

-लडके-लडकी तलाशते है मंडी में अपने लिए जोडी

बीजिंग (ईएमएस)। एक वीडियो इंस्टाग्राम पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें लोग मंडी में जाकर अपने लिए दुल्हा और दुल्हन तलाश रहे हैं। ये वीडियो चीन के शांघाई का है। यहां न सिर्फ लड़कियां अपने लिए हसबैंड ढूंढने आती हैं, बल्कि लड़के भी अपने लिए पत्नी तलाशते हैं।

दुल्हा-दूल्हन की फैमिली भी मौजूद रहती है, जिसमें उनके मां-बाप से लेकर दादा-दादी तक शामिल होते हैं। शंघाई के दूल्हा-दुल्हन मार्केट के इस वीडियो को हैरा जगार्ड नाम के अमेरिकी युवक ने अपने वेरीफाइड अकाउंट से इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है। हैरी खुद के लिए इस मार्केट में अपने लिए एक दुल्हन ढूंढते हैं। इसके लिए वो लोकल चाइनीज से मदद भी लेते हैं। वो चाइनिज एक लड़की से हैरी के बारे में पूछता है, तो वो मना कर देती है। हैरी जब इस बारे में जानना चाहते हैं, तो एक चाइनीज शख्स बताता है कि यहां हर किसी का पसंद करने का अपना नजरिया है। बाद में हैरी वहां मौजूद लोगों से भी बातचीत करते हैं।

एक शख्स से जब वो पूछते हैं कि आप कैसे? तो वह बताता है कि दुल्हन की तलाश में आया है। ऐसे में हैरी उसे अपना कम्पिटिटर करार देते हैं। इसके बाद लाइन से बैठे लोगों को दिखाते हैं, जिसमें महिलाएं-पुरुष दोनों शामिल हैं। इसी बीच एक बुजुर्ग शख्स से भी वो बात करने की कोशिश करते हैं, लेकिन वो कैमरा बंद करने का इशारा करता है। ऐसे में वो कहते हैं कि उसने मुझे लेफ्ट स्वाइप कर दिया। लोग इस वीडियो को खूब पसंद कर रहे हैं। अब तक 1 करोड़ 38 लाख से ज्यादा बार इसे बार देखा जा चुका है। वहीं, 4 लाख 22 हजार से ज्यादा लोगों ने इसे शेयर किया है। जबकि 3 लाख से ज्यादा लोगों ने इस वीडियो को लाइक तथा 54 सौ से भी ज्यादा कमेंट्स आए हैं।

वीडियो पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा है कि लड़की ने अमेरिकी शख्स को मना क्यों कर दिया? वो तो काफी हैंडसम दिख रहा है। वहीं, एक शख्स ने लिखा है कि गे पुरुष कहां जाएं? जबकि, एक यूजर ने लिखा है कि रियल लाइफ में लेफ्ट स्वाइप देखना दिलचस्प है। मालूम हो कि हमारे देश में शादियों का दौर चल रहा है। कोई लड़का-लड़की अपनी पसंद से शादी करते हैं, तो कहीं पर परिवार वाले दूल्हा-दुल्हन को चुनते हैं।

नर्स ने कई लोगों को मौत के मुंह में जाते देखा है, अब उसने मरने से पहले के बताए लक्षण!

लॉस एंजेलस(ईएमएस)। मौत का रहस्य इतने सालों से वैसा का वैसा ही बना हुआ है। हालांकि अगर आप समझते हैं कि मौत हमेशा दर्दनाक या दुखदायी ही होती है, तो एक नर्स का दावा है कि ये खूबसूरत भी हो सकती है। उसने अपने अनुभव से ये बताया है। रिपोर्ट के मुताबिक 41 साल की अमेरिकन नर्स जूली मैकफैडन का दावा है कि मौत के करीब आ जाने पर हर इंसान अलग-अलग तरह से रिएक्ट करता है। लॉस एंजेलस में रहने वाली नर्स जूली ने अपने करियर में बहुत से लोगों को मृत्यु के आगोश में जाते हुए देखा है। उसने सोशल मीडिया पर अपने एक ताज़ा वीडियो में बताया है कि मौत के करीब आ जाने पर एक खास चीज़ दिखती है – डेथ स्टेयर यानि मरीज़ अपनी मौत को देख रहा होता है। उस वक्त अगर उसकी आखों के आगे आप उंगली दिखाएंगे, तो भी वो रिएक्ट नहीं करता। अपनी मौत की ओर घूरते हुए कई बार वो शांत होता है, तो कई बार सिर्फ घूर रहा होता है। इतना ही नहीं कुछ लोगों को मौत इतनी खूबसूरत और सुकूनभरी दिखती है कि उनके चेहरे में हंसी होती है और वे काफी खुश दिखते हैं। उन्हें कोई डर नहीं लगता। ये मृत्यु से कुछ हफ्ते पहले से ही शुरू हो सकता है। वे कई बार मृत्यु से बातें भी करते हुए नज़र आते हैं।

इसके अलावा जूली ने बताया कि मृत्यु करीब आती है, तो लोग अपने मरे हुए परिजनों से बात करना शुरू कर देते हैं। 30 फीसदी रोगियों में देखा जाता है कि किसी के मरने से पहले ऊर्जा का छोटा विस्फोट सा होता है, जिसे टर्मिनल एसिडिटी कहा जाता है। जूली इसे एक सामान्य रहस्यमय घटना मानती हैं। इसके अलावा एक और लक्षण को द डेथ रीच कहा जाता है। ये घटना तब घटती है, जब कोई मरने वाला होता है। वो खुद को मरने से पहले ही ऊपर पहुंचने जैसा महसूस करता है।

रफा में सैन्य कार्रवाई करने की तैयारी में इस्राइल, अमेरिका चिंतित

-राष्ट्रपति बाइडन और नेतन्याहू के बीच टेलीफोन पर हुई बात

वाशिंगटन (ईएमएस)। इस्राइल और हमास के बीच महीनों से युद्ध जारी है जिसमें गाजा में रह रहे हजारों लोगों की जान जा चुकी है। इस्राइल हमास को खत्म करने किसी भी हद तक जाने को तैयार है। इस्राइल अब हमास के खिलाफ गाजा के रफा में सैन्य कार्रवाई करने की तैयारी कर रहा है। इसको लेकर अब अमेरिका के सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन ने एक बयान जारी कर बताया कि जो बाइडन इस्राइल के रफा में बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई करने को लेकर बेहद चिंतित हैं।

सुलिवन ने बताया कि इस मुद्दे पर राष्ट्रपति जो बाइडन और इस्राइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के बीच टेलीफोन पर भी बातचीत हुई। इस बातचीत के बाद नेतन्याहू, अपनी एक इंटर एजेंसी टीम को अमेरिका भेजने के लिए तैयार हो गए हैं। टीम में सेना, खुफिया एजेंसी और शीर्ष अधिकारी शामिल होंगे। यह टीम अमेरिका के शीर्ष अधिकारियों के साथ बातचीत करेगी कि कैसे रफा में बिना किसी बड़ी सैन्य कार्रवाई के हमास के खिलाफ कार्रवाई की जा सके।

अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने बताया कि रफा में अभी दस लाख से ज्यादा शरणार्थी रह रहे हैं, जो गाजा सिटी और खान यूनिस से जान बचाकर रफा पहुंचे हैं। ऐसे में अगर इस्राइल रफा में सैन्य कार्रवाई करता है तो फिर ये शरणार्थी कहां जाएंगे? गाजा के कई बड़े शहर पहले ही युद्ध में तबाह हो चुके हैं। इस्राइल ने अमेरिका और दुनिया को रफा पर हमले की कोई योजना भी नहीं बताई है। रफा, मिस्र की सीमा पर स्थित है और अगर रफा के रास्ते ही गाजा में शरणार्थियों को मदद पहुंचाई जा रही है। अगर रफा पर ही सैन्य कार्रवाई होती है तो इससे गाजा में गंभीर संकट पैदा हो जाएगा और लोगों को मदद भी नहीं पहुंच पाएगी। इससे न सिर्फ इस्राइल अलग-थलग पड़ जाएगा, साथ ही इस्राइस हमास युद्ध के बड़े पैमाने पर भड़क सकता है।

मौत के 23 मिनट बाद लडकी हो गई अचानक ज़िंदा

-डॉक्टर भी ये देखकर रह गए हैरान

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका में एक लड़की की मौत के 23 मिनट बाद अचानक ज़िंदा हो गई। हालांकि इसके बाद उसके साथ क्या हुआ, ये कहानी काफी अजीब है और इसके बारे में किसी को भी अंदाज़ा नहीं है। ये काफी अजीब कहानी है। जानकारी के मुताबिक लड़की का नाम केंटुकी के विल्मोर में असबरी यूनिवर्सिटी में पढ़ती है। लड़की का नाम इसाबेला विलिंगहैम है। 21 साल की इसाबेला एक दिन फर्श पर गिरकर अचानक बेहोश हो गई। उसकी सांसें रुकने लगीं। जब उसे अस्पताल पहुंचाया गया, तो उसकी सांसें नहीं चल रही थीं, लेकिन 23 मिनट बाद अलग ही चमत्कार हुआ। डॉक्टर भी ये देखकर हैरान रह गए कि आखिर ऐसा कैसे हुआ? ये घटना साल 2023 में 27 नवंबर हो हुईहैरानी की बात ये है कि उठने के बाद लड़की के शरीर पर गंभीर चोट के निशान थे, जिनके बारे में न तो खुद इसाबेला को और न ही रूममेट को पता था।

हालांकि पुलिस की रिपोर्ट के मुताबिक इसाबेला के पैर सूजे हुए थे और उसके शरीर पर खरोंच और कटने के निशान थे। माता-पिता भी इस घटना से दंग हैं। इसाबेला को 2 हफ्ते अस्पताल में रखने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया लेकिन चोटों के निशान अब भी रहस्य बने हुए हैं। ये कोई साज़िश है या फिर पैरानेचुरल एक्टिविटी, ये पता नहीं चल पा रहा। बता दें कि दुनिया के कुछ सबसे ज्यादा अनसुलझे रहस्यों में से एक मृत्यु का रहस्य। कोई समझ ही नहीं सकता है कि आखिर मृत्यु क्या होती है या फिर मौत के बाद होता क्या है? वैसे तो इससे जुड़े अध्यात्मिक तथ्य तमाम हैं, लेकिन वैज्ञानिक तथ्यों की बात की जाए, तो कुछ भी ऐसा नहीं है, जो समझा जा सके।

पुतिन की

सावली से बीजेपी के विधायक केतन इनामदार ने दिया इस्तीफा

शजनीतिक हलकों में चर्चा है कि उनका इस्तीफा प्रेशर पॉलिटिक्स का हिस्सा हो सकता है ।

वडोदरा, १९ मार्च ।

गुजरात की वडोदरा सीट से मौजदा सांसद रंजनबेन भट्ट को तीसरी बार टिकट दिए जाने पर जहां बीजेपी में आंतरिक विरोध सामने आ रहा है, तो इस सब से बीच इसी लोकसभा क्षेत्र की सावली से पार्टी के विधायक केतन इनामदार ने इस्तीफा दे दिया है । इनामदार ने अपना इस्तीफा ईमेल के जरिए भेजा है । केतन इनामदार वडोदरा को वडोदरा की सांसद रंजन बेन भट्ट का करीबी माना जाता है । शजनीतिक हलकों में चर्चा है कि उनका इस्तीफा प्रेशर पॉलिटिक्स का हिस्सा हो सकता है । केतन कई बार पहले भी पार्टी पर दवाब बनाने के इस्तीफे की पेशकश कर चुके हैं । शजनीतिक हलकों में केतन के इस्तीफे के पीछे कुलदीप शउलजी को भी वजह बताया जा रहा है । कुलदीप शउलजी कांग्रेस से केतन के सामने लड़े थे । चुनावों के बाद वे बीजेपी में शामिल हो गए थे । कहा जा रहा है कि लोकसभा चुनावों में उन्हें अहम जिम्मेदारी दिए जाने के कारण केतन ने नाराजगी व्यक्त की है । केतन के इस्तीफे के संगठन के कुछ पदाधिकारियों ने भी अपना इस्तीफा दिया है । सावली विधानसभा वडोदरा जिले का हिस्सा है ।

बीजेपी ने वडोदरा से रंजनबेन भट्ट को तीसरी बात टिकट दिया है । रंजनबेन को तीसरी बार टिकट मिलने पर वडोदरा की पूर्व मेयर डॉ. ज्योतिबेन पंड्या ने मोर्चा खोलते हुए इसका विरोध किया था । पार्टी ने पंड्या की नाराजगी को भांपते हुए उन्हें उनकी प्रेस कांफ्रेंस से पहले सस्पेंड कर दिया था । पंड्या के बाद बीजेपी से छह बार विधायक रह चुके मधु श्रीवास्तव भी रंजनबेन भट्ट का विरोध करने का ऐलान कर चुके हैं । ऐसे में अचानक केतन इनामदार का इस्तीफा सामने आया है । वे २०२२ में तीसरी बार सावली से चुने गए थे । केतन इनामदार २०१२०में निर्दलीय जीतने के बाद बीजेपी में आए थे । इसके बाद उन्होंने २०१७ और फिर २०२२ का चुनाव बीजेपी के सिंबल पर लड़ा था ।

सावली के बाहुबली विधायक केतन इनामदार ने अपने इस्तीफे में वजह का खुलासा नहीं किया है । अंतरात्मा की आवाज पर इस्तीफा देने की बात लिखी है । विधानसभा अध्यक्ष ने अभी उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया है । शजनीतिक हलकों में ये चर्चा सामने आई थी कि बीजेपी वडोदरा में रंजन बेन भट्ट के विरोध के बात पुनर्विचार कर रही और पार्टी नए निर्विवादित चेहरे को मौका दे सकती है । १८ मार्च को दिल्ली में राज्य की बाकी चार लोक सभा सीटों के लिए चर्चा भी हुई थी । इसी बीच केतन इनामदार का इस्तीफा सामने आया है । चर्चा है कि टिकट बदलने की अटकलों के बीच उन्होंने अपनी नाराजगी जाहिर की है ।गुजरात विधानसभा के सचिव ने मीडिया से बातचीत में कहा कि उन्हें केतन इमनादार का इस्तीफा प्राप्त नहीं हुआ, तो वहीं दूसरी विधानसभा अध्यक्ष शंकर चौधरी अपने विधानसभा क्षेत्र के प्रवास पर हैं । जानकारों की मानें तो केतन इनामदार अगर वाकई में विधानसभा की सदस्यता छोड़ना चाहते हैं तो उन्हें विधानसभा अध्यक्ष से सामने जाकर ही इस्तीफा देना होगा । ऐसे में विधायक के इस्तीफे को प्रेशर पॉलिटिक्स का हिस्सा माना जा रहा है ।

घने कोहरे से फ्लाइट शेड्यूल बिगड़ा

सूरत एयरपोर्ट पर विजिबिलिटी १०० मीटर से भी हो गई कम

डेढ़ घंटे तक एयरपोर्ट पर उड़ान संचालन बाधित रहा : दिल्ली से अहमदाबाद जाने वाली फ्लाइट डायवर्ट, तीन लेट ।

सूरत, १९ मार्च ।

आज सुबह सूरत में घना कोहरा छाए रहने के कारण सूरत हवाई अड्डे पर दृश्यता १०० मीटर से भी कम हो गई । जिसके कारण एयरपोर्ट रनवे का आईएलएस यानी इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम भी काम नहीं कर सका और डेढ़ घंटे तक एयरपोर्ट पर उड़ान संचालन बाधित रहा । इसलिए मजबूरन दिल्ली की फ्लाइट को अहमदाबाद डायवर्ट करना पड़ा । साथ ही तीन उड़ानें एक से डेढ़ घंटे तक विलंबित रहीं ।

सूरत एयरपोर्ट से मिली जानकारी के मुताबिक, एयरपोर्ट के रनवे पर ८०० मीटर विजिबिलिटी में फ्लाइट को लैंड कराने वाली आईएलएस लगाई गई है । हालांकि, आज सुबह घने कोहरे के कारण दृश्यता १०० मीटर से भी कम हो गई । जिसके कारण सुबह सात बजे से परिचालन बाधित हो गया । इसके बाद मौसम में सुधार होने पर ८:३० घंटे बाद ऑपरेशन दोबारा शुरू किया गया । जीरो विजिबिलिटी के कारण इंडिगो की दिल्ली जाने वाली फ्लाइट को अहमदाबाद डायवर्ट किया गया । जो दो से ढाई घंटे बाद सूरत एयरपोर्ट पर उतरी । इसके साथ ही बेंगलुरु और इंडिगो समेत एयर इंडिया की हैदराबाद जाने वाली दो उड़ानें एक से डेढ़ घंटे की देरी से उड़ीं । इस प्रकार, उड़ान को डायवर्ट किया गया या देरी से यात्रियों की दैनिक गतिविधियाँ और यात्राएँ भी बाधित हुईं ।

यहां बता दें कि सूरत शहर की आबोहवा लगातार बदल रही है । मार्च महिने में पिछले एक सप्ताह के अंदर ठंड और गर्मी के अनुभव से सूरती भी हैरान हैं । आज सुबह-सुबह सूरत शहर और जिले के माहौल में साफ बदलाव देखने को मिला । कोहरे के कारण आज दृश्यता भी कम रही । वाहन चालकों को भी गाड़ी चलाते समय रोशनी का उपयोग करने के लिए मजबूर होना पड़ा ।

सूरत में युवति को ब्यूटी पार्लर में काम का लालच देकर देह व्यापार कराने का पर्दाफाश

नाबालिग का अपहरण और देह व्यापार करने के आरोप में दंपत्ति समेत पांच को गिरफ्तार ।

सूरत, १९ मार्च ।

सूरत के अमरोली इलाके में रहने वाला एक प्रवासी परिवार रहस्यमय तरीके से लापता हो गया । १४ साल की एक लड़की को ब्यूटी पार्लर में २५ से ३० हजार रुपये कमाने का लालच देकर छोटे कपड़ों में वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी दी गई । इसके बाद उसे राजस्थान के डेगाना के एक होटल में ले जाकर देह व्यापार का धंधा शुरू कराने का खुलासा हुआ है । फिलहाल अमरोली पुलिस ने मास्टरमाइंड मोल्ला दंपत्ति समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर २१ मार्च तक रिमांड पर लिया है । अमरोली इलाके में देह व्यापार और मानव तस्करी समेत एक बड़े सेक्स रैकेट का पर्दाफाश हुआ है । मोनिश खातून और मोहिमा मुल्ला ने हिंदू बनकर नाबालिग को फंसाया । ब्यूटी पार्लर में काम करने वाली एक किशोरी का अपहरण कर उसे राजस्थान में वेश्यावृत्ति में धकेल दिया गया । मोहिमा के पति ने अर्धनग्न हालत में डान्स कराकर उसका वीडियो बनाकर उसके साथ बलात्कार किया ।

नागौर जिले के डेगाना के एक होटल में १५ लोगों ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया । अमरोली पुलिस ने पांच को गिरफ्तार कर लिया है । पुलिस भी उस वक्तहैरान रह गई जब उन्होंने यह हकीकत बताई कि उसे अगवा कर राजस्थान ले जाया गया और जबरन वेश्यावृत्ति कराई गई । यह बात सामने आई है कि जिस होटल में देह व्यापार का धंधा चलता था वह एक डॉक्टर का किराए का होटल था । फिलहाल आरोपियों को २१ मार्च तक रिमांड पर लिया गया है ।

कांग्रेस ने पंचमहल लोकसभा सीट से इस विधायक को बनाया उम्मीदवार, फोन पर मिली सूचना

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में लोकसभा की 26 सीटों को लेकर भाजपा और कांग्रेस का दिल्ली में मंथन चल रहा है भाजपा गुजरात में 22 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर चुकी है जबकि कांग्रेस ने अब तक 7 उम्मीदवारों के नाम जारी किए हैं जिसमें अहमदाबाद पूर्व लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार रोहन गुप्ता ने चुनाव लड़ने सेइंकार कर दिया है दूसरी ओर खबर है कि कांग्रेस ने पंचमहल लोकसभा सीट के उम्मीदवार तय कर लिया है और उसे फोन के जरिए इसकी जानकारी भी दे दी है जानकारी है कि कांग्रेस ने पंचमहल सीट से गुलाबसिंह चौहाण को टिकट देने का फैसला किया है और इसकी जानकारी भी उन्हें फोन से दे दी गई है गुलाबसिंह चौहाण महीसागर जिले के लूणावाडा से सीटिंग विधायक हैं अगर गुलाबसिंह चौहाण को कांग्रेस उम्मीदवार घोषित करती है उनका मुकाबला भाजपा के राजपाल जादव से होगा बिता दें कि कांग्रेस गुजरात में अब तक 7 उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है जिसमें बनासकांठा सीट से गेनीबेन ठाकोर, अहमदाबाद पश्चिम से भरत मकवाणा को उम्मीदवार बनाया है अहमदाबाद पूर्व से रोहन गुप्ता को उम्मीदवार घोषित किया गया था, लेकिन उन्होंने चुनाव लड़ने से इंकार कर दिया है इसके अलावा वलसाड से अनंत पटेल, पोरबंदर से ललित वसोया और कच्छ से नितिश लालण को कांग्रेस ने उम्मीदवार घोषित किया है

गुजरात कांग्रेस में टूट का सिलसिला जारी, प्रदेश युवक कांग्रेस के महामंत्री संदीप ओडेदरा ने दिया इस्तीफा

अहमदाबाद (ईएमएस) लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस में टूट सिलसिला बदस्तूर जारी है गुजरात में अब तक कांग्रेस के 4 विधायक विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा देकर भाजपा जॉइन कर चुके हैं इसके अलावा कांग्रेस के कई पूर्व विधायक और नेता अपने समर्थकों के साथ भगवा धारण कर चुके हैं अब पोरबंदर कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता भी हाथ का साथ छोड़ रहे हैं गुजरात प्रदेश युवक कांग्रेस के महामंत्री संदीप ओडेदरा ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है साथ ही जिला युवक कांग्रेस के प्रभारी राहुल चूडास्मा ने भी हाथ का साथ छोड़ दिया है जानकारी है कि संदीप ओडेदरा और राहुल चूडास्मा ने पोरबंदर से पूर्व विधायक अर्जुन मोढवाडिया के समर्थन में कांग्रेस से इस्तीफा दिया है संदीप और राहुल को अर्जुन मोढवाडिया गुट का समर्थक माना जाता है खबर है कि संदीप और राहुल कल भाजपा जॉइन कर सकते हैं

नवसारी से सीआर पाटील के खिलाफ मुमताज पटेल को उम्मीदवार बना सकती है कांग्रेस

अहमदाबाद (ईएमएस) लोकसभा चुनाव का शंखनाद होते ही राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं खबर है कि कांग्रेस दक्षिण गुजरात की नवसारी लोकसभा सीट से मुमताज पटेल को गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख और सांसद सीआर पाटील के खिलाफ चुनाव मैदान में उतार सकती है बिता दें कि मुमताज पटेल कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे दिवंगत अहमद पटेल की बेटी हैं, जो भरुच सीट आम आदमी पार्टी (आप) को देने से नाराज चल रही हैं मुमताज पटेल ही उनके भाई फैजल पटेल भी नाराज हैं आप ने भरुच लोकसभा सीट से डेडियापाडा के सीटिंग विधायक चैतर वसावा को उम्मीदवार बनाया है भरुच सीट पर चैतर वसावा के नाम की घोषणा के बाद से मुमताज और फैजल पटेल समेत उनके समर्थकों में नाराजगी है यहां तक कि मुमताज पटेल और फैजल पटेल समेत उनके समर्थकों को आप उम्मीदवार चैतर वसावा के पक्ष में प्रचार करने से भी इंकार कर दिया था हांलाकि अब खबर है कि कांग्रेस मुमताज पटेल को नवसारी लोकसभा सीट से उम्मीदवार बना सकती है भाजपा के प्रदेश प्रमुख सीआर पाटील के खिलाफ मुमताज पटेल को उम्मीदवार बनाने की कांग्रेस की रणनीति है नवसारी सीट से मुमताज पटेल का नाम सामने आते ही नवसारी और सूरत कांग्रेस के नेताओं की चिंता बढ़ गई हैं और बैठकों को सिलसिला शुरू हो गया है बिताया जाता है कि मुमताज पटेल नवसारी लोकसभा सीट चुनाव ना लडें ऐसे प्रयास किए जा रहे हैं नवसारी जिला कांग्रेस प्रमुख शैलेष पटेल अपरोक्ष रूप से मुमताज पटेल नवसारी सीट से चुनाव लड़ें ऐसा संदेश दिया है शैलेष पटेल का कहना है कि मुमताज पटेल के सामने उज्जवल भविष्य है और नवसारी से चुनाव लड़ना या नहीं लड़ना यह उन्हें ही तय करना है क्योंकि भविष्य में पार्टी उन्हें राष्ट्रीय स्तर प जिम्मेदारी दे सकती है शैलेष पटेल ने कहा कि कांग्रेस हाईकमान से स्थानीय संगठन के किसी मजबूत व्यक्ति को नवसारी से चुनाव मैदान में उतारने की पेशकश की गई है इसके बावजूद अगर मुमताज पटेल को टिकट दिया जाता है तो सीआर पाटील को हराने के लिए एडीचोटी का जोर लगा देंगे शैलेष पटेल के मुताबिक पार्टी उन्हें जो भी आदेश देगी उसका वह पालन करेंगे बता दें कि सीआर पाटील नवसारी सीट से बड़ी मार्जिन से चुनाव जीतते आए हैं और यह सीट भाजपा का गढ़ माना जाता है ऐसे में अगर कांग्रेस मुमताज पटेल को नवसारी से टिकट देती है मुकाबला रोमांचक होना तय है फिलहाल नवसारी सीट से मुमताज पटेल का नाम सामने आते ही स्थानीय कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता दुविधा में हैं

४ लोकसभा सीटों के उम्मीदवारों के चयन के लिए दिल्ली बुलाए गए मुख्यमंत्री

गांधीनगर, १८ मार्च ।

भाजपा ने केन्द्रीय स्तर पर लोकसभा उम्मीदवारों की दो सूची जारी की है जिसमें गुजरात की २२ सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी गई है । बाकी की ४ सीटों पर मंथन जारी है । भाजपा आलाकमान ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और प्रदेश अध्यक्ष सी आर पाटिल को दिल्ली बुलाया है । माना है इन चारों सीटों पर इन दो नेताओं से चर्चा के बाद उम्मीदवारों के नाम तय कर लिए जाएंगे । भाजपा के केन्द्रीय नेताओं के साथ मीटिंग के बाद गुजरात में होने वाले विधानसभा की ५ सीटों के उपचुनाव के लिए भी उम्मीदवारों के नाम पर अंतिम मुहर लगने की उम्मीद है ।

भाजपा ने लोकसभा चुनाव के लिए २२ उम्मीदवारों की सूची जारी की है जबकि ४ नामों पर अंतिम निर्णय होना बाकी है । पार्टी आलाकमान ने इसके लिए पार्टी के गुजरात प्रदेश अध्यक्ष सी आर पाटिल और मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल को दिल्ली बुलाया है । बताया जा रहा है कि इन चारों सीट पर पार्टी नए चेहरों को मौका देगी, वहीं दो महिला उम्मीदवार भी उतारे जा सकते हैं । जूनागढ़, सुरेन्द्रनगर, मेहसाणा और अमरेली लोकसभा सीट पर उम्मीदवारों का चयन बाकी है । कांग्रेस ने अभी तक २६ में से महज ७ सीटों पर उम्मीदवार के नाम की घोषणा की है । कांग्रेस के साथ गठबंधन के कारण आम आदमी पार्टी के खाते में दो सीट गई है, पार्टी ने दोनों सीट भावनगर से उमेश मकवाणा और भरुच से चैतर वसावा का नाम पहले ही घोषित कर दिया है । कांग्रेस ने कच्छ, बनासकांठा, अहमदाबाद पश्चिम, अहमदाबाद पूर्व, पोरबंदर, वलसाड और बारडोली सटी पर अपने उम्मीदवार घोषित किए हैं । चुनाव आयोग ने राज्य की खाली ६ विधानसभा सीट में से ५ सीट पर उप चुनाव की तारीख की घोषणा की है । इनमें विजापुर, पोरबंदर, माणावदर, खंभात और वाघोडिया सीट पर लोकसभा चुनाव के साथ ही विधानसभा का भी उपचुनाव होगा । विसावदर सीट पर उप चुनाव की घोषणा नहीं की गई है ।

राज्य के अधिकांश हिस्सों में अधिक तापमान रहने का पूर्वानुमान, मार्च अंत 40 डिग्री तक पहुंच सकता है

अहमदाबाद (ईएमएस) मौसम विभाग ने आगामी दिनों में राज्य में भीषण गर्मी का पूर्वानुमान जारी किया है जिसमें बताया गया है कि मार्च महीने में ही राज्य के अधिकांश हिस्सों में गर्मी से लोग त्राहिमाम करने लगेंगे मार्च के अंत तक राज्य में अधिकतम तापमान 40 डिग्री पर पहुंच सकता है और इसके संकेत अभी से मिलने लगे हैं सोमवार को राजकोट 39.1 डिग्री तापमान के साथ राज्य का सबसे गर्म शहर रहा वहीं राज्य के 10 शहरों का तापमान भी 37 डिग्री के आसपास दर्ज हुआ मौसम विभाग के मुताबिक आगामी पांच दिन सौराष्ट्र-कच्छ के तटीय क्षेर में गर्मी और नमी के कारण स्थिति असहज रहेगी उसी दौरान कंडला और पोरबंदर में हिटवेव की संभावना है फिलहाल पोरबंदर में न्यूनतम तापमान 38 डिग्री, कंडला में 37 डिग्री दर्ज हुआ है हिटवेव के साथ पोरबंदर और कंडला के तापमान में 2 डिग्री की वृद्धि हो सकती है आमतौर पर हर साल मार्च महीने से गर्मी की शुरुआत हो जाती है, परंतु इस साल पहले के वर्षों की तुलना में मार्च महीने में सामान्य से कम तापमान रहा है इसकी एक वजह मार्च महीने में बेमौसमी बारिश का होना भी है हांलाकि मार्च महीने के दूसरे सप्ताह से राज्य में गर्मी का अहसास होने लगा है मौसम विभाग के मुताबिक मार्च महीने के अंत तक अधिकतम तापमान 40 डिग्री पर पहुंच सकता है दूसरी ओर मौसम के जानकार अंबालाल पटेल ने राज्य में बेमौसमी बारिश के साथ ही ओलावृष्टि का पूर्वानुमान व्यक्त किया है अंबालाल के मुताबिक आगामी 24 मार्च तक राज्य के विभिन्न हिस्सों में बादल छाये रहेंगे कई हिस्सों में 26 मार्च तक बादल रहेंगे इसके अलावा पश्चिम सौराष्ट्र के तटीय इलाकों में हवा की गति ज्यादा रहेगी कच्छ में तेज हवा के साथ बादल छाये रहने की संभावना है उस दौरान तटीय क्षेत्र के कुछ हिस्सों में हवा के साथ हलकी बारिश भी हो सकती है इतना ही नहीं होली के दिन भी आसमान में बादलों का जमावडा रह सकता है उत्तर गुजरात, मध्य और पूर्व गुजरात के हिस्सों में हवा चलने और बादलों का जमावडा रहने की संभावना है

पूर्व विधायक कनु कलसरिया ने भाजपा जॉइन करने की अटकलों पर लगाया पूर्ण विराम

अहमदाबाद (ईएमएस) भावनगर जिले के महुवा से पूर्व विधायक कनु कलसरिया ने उनके भाजपा जॉइन करने की अटकलों पर पूर्ण विराम लगा दिया है कनु कलसरिया ने स्पष्ट कर दिया है कि फिलहाल वह किसी भी राजनीतिक दल में शामिल नहीं होंगे दरअसल कुछ दिन पहले ही कनु कलसरिया की गुजरात भाजपा प्रमुख सीआर पाटील के साथ मुलाकात हुई थी इस मुलाकात के बाद कनु कलसरिया के भाजपा जॉइन करने की अटकलें तेज हो गई उस वक्त कनु कलसरिया ने कहा था कि वह एक सप्ताह के भीतर फैसला कर बताएंगे लेकिन आज कनु कलसरिया ने भाजपा जॉइन करने की अटकलों पर पूर्ण विराम लगा दिया उन्होंने कहा कि वह भाजपा ही नहीं बल्कि किसी भी राजनीतिक दल में शामिल नहीं होना चाहते भाजपा जॉइन करने को मेरा मन तैयार नहीं है बता दें कि गत 6 मार्च को महुवा में सीआर पाटील ने कनु कलसरिया की सदभावना होस्पिटल में मुलाकात की थी बंद कमरे में हुई इस बैठक में आहिर समाज के नेता भी मौजूद रहे जिसके बाद सीआर पाटील ने कनु कलसरिया के आवास पर भोजन भी किया था इस मुलाकात के बाद कनु कलसरिया के वापस भाजपा जॉइन करने की अटकलें तेज हो गई आज उन अटकलों में कनु कलसरिया ने पूर्ण विराम लगा दिया है

कांग्रेस के एक और नेता ने चुनाव लड़ने से किया इंकार, अहमदाबाद पूर्व से प्रत्याशी बनाया था

अहमदाबाद (ईएमएस) लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही इतिहास में सबसे बुरे दौर से गुजर रही कांग्रेस के एक के बाद एक नेता पार्टी का साथ छोड़ रहे हैं, दूसरी ओर जिन दिग्गज नेताओं को लोकसभा का टिकट मिल रहा है वह चुनाव लड़ने से इंकार कर रहे हैं इसी कड़ी में रोहन गुप्ता का नाम जुड़ गया है रोहन गुप्ता कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता हैं रोहन गुप्ता को कांग्रेस ने अहमदाबाद पूर्व से उम्मीदवार घोषित किया था कल देर रात रोहन गुप्ता ने अचानक चुनाव लड़ने से इंकार कर दिया इसके लिए रोहन गुप्ता ने अपने पिता के स्वास्थ्य का हवाला दिया साथ ही यह भी कहा कि अहमदाबाद पूर्व से कांग्रेस जिसे भी उम्मीदवार बनाएगी, उसे जिताने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे चुनाव नहीं लड़ने का फैसला करने मेरे लिए बहुत कठिन था फिलहाल मैं अपने परिवार समेत कांग्रेस नेताओं को इसके लिए मनाने का प्रयास कर रहा हूँ लेकिन पिता की तबियत बिगड़ती है और भविष्य उन्हें कुछ हो जाता है तो मैं जीवनभर खुद को माफ नहीं कर पाऊंगा इसलिए चुनाव लड़ने से इंकार करने का मुझे काफी दुःख है, परंतु मेरे पास और विकल्प भी नहीं था रोहन गुप्ता ने आगे कहा कि मैं एक संवेदनशील व्यक्ति हूं और मुझे किसनी वॉट्सएप मैसेज भेजा है एक कथित नेता जिन्होंने 2002 में कांग्रेस को डूबो दिया, जिसकी वजह से पार्टी की हार हुई वह आज मुझे गद्दारी का मैसेज भेज रहे हैं उस नेता की मेरे पिता के साथ मित्रता होने के बावजूद वह इस प्रकार के मुझे संदेश भेज रहे हैं मैं उस नेता को सिर्फ इतना ही कहना चाहता हूं कि वह मेरे साथ खड़े नहीं रह सकते तो कोई बात नहीं, परंतु मानवता के आधार पर जब मैं कठिन दौर से गुजर रहा हूं तब इस प्रकार के काम ना करें जिससे मेरा मन आहत हो यह मेरी विनम्रता है, मजबूरी नहीं रोहन गुप्ता ने कहा कि अब तक मैं मौन रहा, परंतु आगे भी उस नेता ने कुछ कहा तो कड़ी प्रतिक्रिया दूंगा रोहन गुप्ता ने कांग्रेस नेतृत्व से भी अनुरोध किया है कि वह खराब दौर से गुजर रहे हैं ऐसे में उस नेता अनर्गल मैसेज देने से रोकें कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि मेरे पिता ने 40 साल और मैंने 15 साल तक पार्टी की निस्वार्थ सेवा की है कांग्रेस ने मुझे जो भी जिम्मेदारी दी, उसे मैंने पूरी निष्ठा के साथ निभाई है मुझे कोई वफादारी का पाठ पढ़ाने वाले अपना चेहरा आईने में देख लें

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल से कोरिया के महावाणिज्य दूत किम यंग ओग की शिष्टाचार भेंट

गांधीनगर (ईएमएस) कोरिया गणराज्य के महावाणिज्य दूत किम यंग ओग ने मंगलवार को गांधीनगर में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से शिष्टाचार मुलाकात की। इस शिष्टाचार मुलाकात बैठक के दौरान गुजरात में संचालित 9 कोरियाई कंपनियों के संदर्भ में भी विचार-विमर्श किया गया। इस मुलाकात बैठक में मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव पंकज जोशी, उद्योग विभाग के अपर मुख्य सचिव एस.जे. हैदर और उद्योग आयुक्त संदीप सागले सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

चुनाव को लेकर तैयारियां शुरु हुई

गुजरात उपचुनाव में भी हो सकता है 'आप' - कांग्रेस के बीच गठबंधन

गांधीनगर, १८ मार्च ।

चुनाव आयोग ने शनिवार को लोकसभा चुनाव २०२४ का पूरा कार्यक्रम घोषित कर दिया । इस बार लोकसभा चुनाव सात चरणों में होंगे । पहले चरण का मतदान १९ अप्रैल से शुरू होगा और सातवें यानी आखिरी चरण का मतदान १ जून को होगा, नतीजे ४ जून को घोषित किए जाएंगे । गुजरात में २६ लोकसभा सीटों पर ७ मई को मतदान होगा । साथ ही राज्य में कुल पांच विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए मतदान होगा । इस बीच सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस और आप इस उपचुनाव को मिलकर लड़ने के मूड में हैं ।

लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) ने गठबंधन कर लिया है । जिसमें भरूच और भावनगर सीट से कांग्रेस और आप गठबंधन के उम्मीदवार उतारे गए हैं । अब विधानसभा उपचुनाव में भी दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन की संभावना है । सूत्रों के मुताबिक, लोकसभा चुनाव की घोषणा के बाद कांग्रेस क्षेत्रीय कार्यालय में हुई बैठक में दोनों दलों के बीच गठबंधन पर विस्तृत चर्चा हुई । इसके लिए दोनों पार्टियां चुनाव लड़ सकती हैं । ४ सीटों पर कांग्रेस, २ सीटों पर, क्के चुनाव लड़ने की संभावना है । साथ ही विसावदर सीट पर उपचुनाव की भी घोषणा हो सकती है । अगर दोनों पार्टियां मिलकर चुनाव लड़ती हैं तो उपचुनाव में अच्छे नतीजे के आसार हो सकते हैं, ऐसा उनका मानना है । जिसके लिए दोनों पार्टियां उपचुनाव में गठबंधन करने के लिए हाईकमान को राय भेज सकती हैं ।

फिलहाल राज्य में ४ कांग्रेस, १ आप और १ निर्दलीय नेता ने पार्टी और विधायक पद से इस्तीफा दे दिया है और ये नेता बीजेपी में शामिल हो गए हैं । छह विधायकों के इस्तीफा देने से उनकी सीटें खाली हो गईं । खंभात, बीजापुर, वाघोडिया, पोरबंदर और माणावदर में उपचुनाव होंगे । हालांकि, विसावदर सीट भी खाली है लेकिन चुनाव आयोग ने इस सीट पर उपचुनाव कराने का जिक्र नहीं किया है ।

पश्चिम रेलवे विभिन्न गंतव्यों के लिए चला रही है होली स्पेशल ट्रेनें

पश्चिम रेलवे द्वारा विभिन्न गंतव्यों के लिए 41 जोड़ी होली स्पेशल ट्रेनों के लगभग 144 फेरे चलाए जा रहे हैं

मुंबई से देश के विभिन्न हिस्सों के लिए 11 स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं

नौ स्पेशल ट्रेनें सूरत/उधना से चल रही हैं, जबकि 21 जोड़ी ट्रेनें सूरत/उधना या भेस्तान से होकर गुजर रही हैं

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा आगामी होली त्योहार के लिए उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से पश्चिम रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से विभिन्न गंतव्यों के लिए विशेष किराये पर कई स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार आगामी होली त्योहार के लिए यात्रियों की यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से पश्चिम रेलवे विभिन्न गंतव्यों के लिए 41 जोड़ी होली स्पेशल ट्रेनों के 144 फेरे चला रही है। इनमें से मुख्य रूप से 27 जोड़ी ट्रेनें उत्तर भारत के राज्यों और 5 जोड़ी ट्रेनें देश के पूर्वोत्तर क्षेत्रों के लिए हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए सूरत/उधना से 9 जोड़ी स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं, जबकि 21 जोड़ी ट्रेनें सूरत/उधना या भेस्तान से होकर गुजर रही हैं। इसी तरह, गुजरात के अन्य स्टेशनों जैसे अहमदाबाद, वडोदरा, ओखा, हापा, वलसाड और राजकोट से 16 जोड़ी ट्रेनें चलाई जा रही हैं।

श्री ठाकुर ने बताया कि मुंबई से देश के विभिन्न हिस्सों के लिए 11 स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। उन्होंने आगे बताया कि ट्रेनों की प्रतीक्षा सूची की रियल टाइम के आधार पर दैनिक निगरानी की जा रही है और अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए समय-समय पर मौजूदा ट्रेनों में अतिरिक्त कोच बढ़ाए जा रहे हैं।

पश्चिम रेलवे चलाएगी होली विभिन्न गंतव्यों के लिए विशेष ट्रेनें

ट्रेन नं.	प्रारंभिक स्टेशन और गंतव्य	प्रस्थान	आगमन	सेवा की तिथि
09403	अहमदाबाद-दानापुर	07.20 बजे। (रविवार)	19.30 बजे। (अगले दिन)	24/03/2024
09404	दानापुर-अहमदाबाद	22.30 बजे। (सोमवार)	10.15 बजे। (बुधवार)	25/03/2024
09053	सूरत - बरौनी	08.05 बजे। (शनिवार)	17.00 बजे। (अगले दिन)	23/03/2024
09054	बरौनी -सूरत	20.00 बजे। (रविवार)	05.45 बजे। (मंगलवार)	24/03/2024
09093 (अनारक्षित)	उधना - आरा	23.55 बजे। (मंगलवार)	01.30 बजे। (गुरुवार)	19/03/2024
09094 (अनारक्षित)	आरा- वलसाड	03.30 बजे। (गुरुवार)	07.15 बजे। (अगले दिन)	21/03/2024
09097 (अनारक्षित)	उधना - बरौनी	11.00 बजे। (गुरुवार)	21.00 बजे। (अगले दिन)	21/03/2024
09098 (अनारक्षित)	बरौनी - उधना	23.00 बजे। (शुक्रवार)	10.00 बजे। (रविवार)	22/03/2024
09009 (अनारक्षित)	उधना - समस्तीपुर	22.10 बजे। (शुक्रवार)	05.30 बजे। (रविवार)	22/03/2024
09010 (अनारक्षित)	समस्तीपुर - उधना	07.30 बजे। (रविवार)	17.00 बजे। (अगले दिन)	24/03/2024

ठहराव के समय और संयोजन के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry. Indianrail.gov.in पर जा सकते हैं।

ट्रेन नंबर की बुकिंग 09403 और 09053 सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर खुला है। उपरोक्त ट्रेनें विशेष किराये पर विशेष ट्रेन के रूप में चलेंगी।

पश्चिम रेलवे
www.wr.indianrailways.gov.in
हमें लाइक करें : facebook.com/WesternRly
हमें फॉलो करें : twitter.com/WesternRly

सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल वैध पहचान पत्र साथ रखें।

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड़, वड़ोदरा से प्रकाशित किया। प्रातःकालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96